वर्ष : 33 ▸ अंक : 195 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, मंगलवार, 1 अक्टूबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

गाय को दिया गया राजमाता का दर्जा

घोषणाओं की बारिश से सबको साधने का प्रयास

शिंदे सरकार का मास्टरस्ट्रोक

मराठा समुदाय को शांत करने के लिए कुनबी-मराठा प्रमाण पत्र देने संबंधी रिपोर्ट स्वीकारी

अमित बृज । मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का ऐलान जल्द होने वाला है। ऐसे में महायुति सरकार जनता को लुभाने की कोई कसर नहीं छोड़ रही है। राज्य में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा और आचार संहिता लागू होने की आशंका को देखते हुए राज्य सरकार लगातार कैबिनेट बैठकें कर रही है। अब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले सीएम एकनाथ शिंदे ने अपना मास्टरस्ट्रोक खेला है। सरकार ने फैसला किया है कि अबसे महाराष्ट्र में गाय को राजमाता का दर्जा दिया जायेगा। महाराष्ट्र में चुनाव से पहले मुख्यमंत्री एकनाश शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार के द्वारा लिया गया ये बड़ा फैसला है। इसके अलावा महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कैबिनेट ने बड़ा फैसला लेते हुए कुनबी-मराठा प्रमाण पत्र देने के लिए एसओपी पर पैनल की रिपोर्ट की स्वीकार कर ली है। इससे पहले 23 सितंबर को हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने तीन कुनबी उपजातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। राज्य में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने 38 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनमें से कुछ मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में सड़क और मेट्रो रेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने से जुड़े थे। न्यायमूर्ति संदीप शिंदे (सेवानिवृत्त) समिति ने पिछले दिसंबर में अपनी दूसरी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसे राज्य सरकार ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया था।

गाय 'राज्य माता' घोषित

महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को एक आदेश जारी कर गाय को 'राज्यमाता' घोषित किया। सरकार का मानना है कि इससे गोकशी और तस्करी पर लगाम लगेगी। आदेश में कहा गया है कि गाय का भारतीय संस्कृति और वैदिक काल से महत्व रहा है। देसी गाय का दूध मानव आहार के लिए बहुत पौष्टिक होता है। आयुर्वेद में भी गाय के दूध और गोमूत्र से कई तरह की दवाइयां बनाई जाती हैं।

होमगार्ड- ग्राम रोजगार सेवकों की बल्ले-बल्ले

राज्य में होमगार्ड के भत्ते में भारी बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया गया है और इससे लगभग 40 हजार होमगार्ड को फायदा होगा। तो वहीं ग्राम रोजगार सेवकों को अब प्रति माह 8 हजार रुपए वजीफा के दिया जाएगा तथा ग्राम स्तर पर जिन ग्राम रोजगार सेवकों ने 2000 दिन से अधिक कार्य पूर्ण कर लिया है, उन्हें श्रम लागत का एक प्रतिशत प्रोत्साहन अनुदान भी दिया जाएगा। दो हजार दिन से कम वाले ग्राम रोजगार सेवकों को प्रति माह एक हजार रुपए दिए जायेंगे।

महाराष्ट्र कैबिनेट ने कुनबी-मराठा प्रमाण पत्र देने संबंधी रिपोर्ट स्वीकारी

महाराष्ट्र कैबिनेट ने न्यायमूर्ति शिंदे समिति की दूसरी और तीसरी रिपोर्ट सोमवार को स्वीकार कर ली। इसका गठन ऐतिहासिक अभिलेखों के आधार पर कुनबी-मराठा और मराठा-कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से किया गया था। न्यायमूर्ति संदीप शिंदे (सेवानिवृत्त) समिति ने पिछले दिसंबर में अपनी दूसरी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसे राज्य सरकार ने आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं किया था। कुनबी एक कृषक समुदाय है और इसे महाराष्ट्र में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। राज्य मंत्रिमंडल द्वारा शिंदे समिति की रिपोर्ट को स्वीकार किए जाने को, पिछड़े समुदायों द्वारा विरोध के बीच ओबीसी श्रेणी में शामिल किए जाने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे मराठा समुदाय को शांत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

आयुर्वेद, यूनानी महाविद्यालय में भर्ती हेतु चयन समिति

प्रदेश में आयुर्वेद एवं यूनानी महाविद्यालयों में भर्ती के लिए चयन समिति बनाने का निर्णय लिया गया। प्रदेश के निजी सहायता प्राप्त आयुर्वेद और निजी सहायता प्राप्त यूनानी महाविद्यालयों में 50 प्रतिशत शिक्षण पद खाली पड़े हैं। निजी सहायता प्राप्त आयुर्वेद एवं निजी सहायता प्राप्त यूनानी महाविद्यालयों (अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त महाविद्यालयों को छोड़कर) में रिक्त पदों को भरने के लिए संबंधित महाविद्यालय की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक चयन समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। इस समिति में निदेशक, आयुष, महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ, प्राचार्य, कॉलेज के विभाग प्रमुख और पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधि शामिल हैं। इससे भर्ती प्रक्रिया सुचारू हो जायेगी।

राज्य में विशेष शिक्षकों के पद

राज्य में विशेष शिक्षकों के पद : सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार राज्य में विशेष शिक्षकों के पदों के सृजन को मंजूरी देने का निर्णय कैबिनेट बैठक में लिया गया। वर्तमान में कार्यरत विशेष शिक्षकों को रिक्त शिक्षक पदों पर समायोजित किया जाएगा। साथ ही बचे हुए पदों पर भी भर्ती प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी। विशेष शिक्षकों की नियुक्ति के लिए 4 हजार 860 पद आरक्षित रहेंगे, प्रत्येक केंद्र स्तर पर एक-एक पद। समग्र शिक्षा समावेशी शिक्षा कार्यक्रम के लिए कुल 2 हजार 572 विशेष शिक्षक, दिव्यांग समावेशी शिक्षा योजना (माध्यमिक स्तर) के लिए 358 शिक्षक और दिव्यांग एकीकृत शिक्षा योजना (प्राथमिक स्तर) के लिए 54 पदों पर समायोजन किया जाएगा।

रिटायरमेंट ग्रेच्युटी, डेथ ग्रेच्युटी की सीमा बढ़ी

कैबिनेट बैठक में राज्य में पेंशनभोगियों, पारिवारिक पेंशनभोगियों को सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और मृत्यु ग्रेच्युटी की सीमा 14 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करने का निर्णय लिया गया। यह फैसला 1 सितंबर 2024 से लागू होगा। यह निर्णय मान्यता प्राप्त और अनुदान प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों, गैर-कृषि विश्वविद्यालयों और उनसे जुड़े गैर-सरकारी कॉलेजों और कृषि विश्वविद्यालयों के पेंशनभोगियों पर लागू होगा जिनके पास पेंशन योजनाएं हैं।

शासकीय गारंटी शुल्क की दर कम करने का निर्णय

शासकीय गारंटी शुल्क की दर कम करने का निर्णय : राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों को ऋण जुटाने हेतु सरकारी गारंटी दी जाती है। इस गारंटी के लिए ली जाने वाली फीस की दर कम करने का फैसला लिया गया। हालांकि, किसी भी स्थिति में सरकारी गारंटी के लिए गारंटी शुल्क माफ नहीं किया जाएगा। इस समय 2 रुपए का गारंटी शुल्क लिया जाता है। अब इसे घटाकर पचास पैसे कर दिया जाएगा। ये संशोधित दरें 1 अप्रैल, 2023 से आगे के मामलों पर लागू होंगी।

मिहान परियोजना हेतु धनराशि की स्वीकृति

नागपुर में मिहान परियोजना के लिए आवश्यक 3 हजार 994 करोड़ 41 लाख रुपए की राशि की संशोधित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। यह निधि इस परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास, तकनीकी कार्यों के साथ-साथ भूमि अधिग्रहण दावों आदि के लिए स्वीकृत की गई है।

राज्य जलसंपत्ति का सूचना केंद्र स्थापित होगा

राज्य जलसंपत्ति का सूचना केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को राज्य मंत्रिमंडल ने स्वीकृति दी है। इससे राज्य के जलस्त्रोतों का बेहतर नियोजन हो सकेगी। केंद्र सरकार ने राज्य जलसंपत्ति का सूचना केंद्र बनाने का निर्देश दिया था। इस केंद्र में आवश्यक सूचना प्रणाली सहित, राज्य को सक्षम बनाने, घाटी और क्षेत्रिय स्तर पर जल संबंधी नीति और नीतीगत फैसला लिया जा सकेगा।

राजमाता बनेगी भाग्यविधाता ▸ पढ़ें पेज 4 पर

23 सितंबर को कैबिनेट में 24 प्रस्तावों पर लगी थी मुहर

इससे पहले 23 सितंबर को हुई मंत्रिपरिषद की पिछली बैठक में सरकार ने तीन कुनबी उपजातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। कैबिनेट बैठक को लेकर अधिकारियों ने बताया कि पिछली कैबिनेट बैठक में कुल 24 फैसले लिए गए थे, जिसमें गाय के दूध उत्पादकों को 7 रुपए प्रति लीटर की सब्सिडी जारी रखना भी शामिल है।

ये हैं कैबिनेट बैठक कुछ अन्य अहम फैसले

- कोतवालों के वेतन में दस प्रतिशत की बढ़ोतरी। अनुकंपा नीति भी लागू होती है।
- ग्राम रोजगार सेवकों को अब 8 हजार रुपए प्रति माह के साथ-साथ प्रोत्साहन सब्सिडी भी
- ऑरेंज गेट से मरीन ड्राइव सबवे के काम में आएगी तेजी। एमएमआरडीए को ब्याज मुक्त माध्यमिक ऋण सहायता की मंजूरी।
- ठाणे सर्कुलर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के काम में आएगी तेजी। 12 हजार 200 करोड़ की संशोधित योजना को मंजूरी।
- ठाणे से बोरीवली सबवे के लिए 15 हजार करोड़ रुपए का कर्ज जुटाया जाएगा।
- घरेलू गाय पालन के लिए सब्सिडी योजना।
- अकुर्डी, मलाड और पगारन में भारतीय खेल प्राधिकरण की सीटें। एक नॅशनल सेंटर ऑफ एक्सलन्स स्थापित किया जाएगा।
- जलगांव जिले में भागपुर उपसा सिंचाई योजना की संशोधित मंजूरी। 30 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी।
- लातूर जिले में हसाला, उम्बाडगा, पेठ, कावा कोल्हापुर बांध के कार्य को मंजूरी।
- धुले की बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था को ग्रामीणों के विकास के लिए जमीन।
- रमाबाई अंबेडकर नगर कामराजनगर की झुग्गी बस्ती पुनर्वास योजना को गति देंगे। एमएमआरडीए को भूमि प्रीमियम के भुगतान पर रियायत।
- केंद्र की मिठगरा भूमि राज्य सरकार को हस्तांतरित की जाएगी। गरीबों के लिए आवास योजनाओं में तेजी लाई जायेगी।
- पालघर जिले के मुरबे में बहुउद्देशीय बंदरगाह परियोजना।
- धारावी में अपात्र झुग्गीवासियों के लिए किफायती किराये की आवास योजना; धारावी पुनर्वास परियोजना पर जिम्मेदारी।
- रिटायरमेंट ग्रेच्युटी, मृत्यु ग्रेच्युटी की सीमा बढ़ाकर 20 लाख।
- अनुसूचित जाति, नव-बौद्ध किसानों के लिए कृषि स्वावलंबन योजना के वित्तीय मानदंड में वृद्धि; अधिक से अधिक किसानों को लाभ होगा।
- सोनार समाज के लिए संत नरहरि महाराज आर्थिक विकास निगम।
- जामखेड की पुण्यश्लोक अहिल्या देवी होल्कर सूत मिल को आर्थिक सहायता।
- राज्य में होम गार्डों के भत्ते में पर्याप्त वृद्धि, करीब 40 हजार होमगार्डों को मिलेगा लाभ।
- नासिक के मेडिकल डिग्री कॉलेज और अस्पताल को सरकार के अधिकार में लिया जाएगा।
- आयुर्वेद, यूनानी महाविद्यालय में भर्ती हेतु चयन समिति।
- राज्य में 26 और आईटीआई संस्थानों का नामांकनद्ध
- आर्य वैश्य समाज के लिए श्री वासवी कन्याका आर्थिक विकास निगम।
- श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर समिति में सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 15 की गई।
- अधिकांश कर्मचारियों का एक दिन का तकनीकी ब्लॉक माफ।
- बार्टी की तर्ज पर 'ओनेर्टी' स्वायत्त संस्था।
- मेट्रो 3 परियोजना पीड़ितों के पुनर्वास के लिए स्टांप शुल्क में छूट।
- 2005 के बाद शामिल होने वाले जिला परिषद कर्मचारियों के लिए एकमुश्त विकल्प।
- राज्य में विशेष शिक्षक पद का निर्मित। 4860 पदों पर होगी भर्ती।
- राज्य में सैन्य स्कूलों के लिए अब संशोधित नीति।
- अनार, सीताफल एस्टेट की होगी स्थापना, उत्पादकों को बड़ा फायदा।

अटल सेतु बनता जा रहा सुसाइड प्वाइंट

एक और शख्स ने लगाई समुद्र में छलांग

मुंबई। मुंबई का अटल सेतु पर्यटकों और आम लोगों के बीच कुछ ही समय में लोकप्रिय हो गया है। हालांकि, एक चिंता की बात यह है कि शहर को एक अलग पहचान देने वाला समुद्र पर बना यह पुल अब लोगों के लिए एक डरावनी हकीकत भी बनता जा रहा है। सोमवार को इस पुल से छलांग लगाकर एक और शख्स ने अपनी जान दे दी है। वहां मौजूग राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी जिसके बाद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अब तक शव बरामद नहीं किया जा सका है।

अटल सेतु से सुसाइड की हो चुकी हैं कई घटनाएं

मुंबई के अटल सेतु से पिछले कुछ महीनों में सुसाइड की कई घटनाएं हो चुकी हैं। कुछ दिन पहले ही पुल से समुद्र में एक डॉक्टर ने छलांग लगा दी थी। उससे पहले एक महिला और एक इंजीनियर ने भी पुल से छलांग लगाकर अपनी जान दे दी है। अटल सेतु समुद्र पर बना देश का अब तक का सबसे बड़ा पुल है और यह मायानगरी के विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। हालांकि, लगातार हो रही आत्महत्या की घटनाएं प्रशासन की चिंता बढ़ाने वाली हैं।

लाश बरामद करने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक एसयूवी किसी सुशांत चक्रवर्ती नाम के शख्स के नाम पर रजिस्टर है। फिलहाल पता नहीं चल सका है कि सुसाइड करने वाला शख्स वही है या कोई और। पुलिस लाश बरामद करने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। सीसीटीवी फुटेज समेत दूसरे सबूतों की मदद ली जा रही है।

अनशन खत्म करने के बाद मनोज जरांगे का ऐलान

दशहरा रैली में एकता दिखाएंगे जरांगे

धीरज सिंह । मुंबई/बीड

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने सोमवार को गरीबों और जरूरतमंदों सहित लोगों से महाराष्ट्र में बीड जिले के नारायणगढ़ में आयोजित होने वाली दशहरा रैली में एकता दिखाने की अपील की।

12 अक्टूबर को दशहरा

इस साल दशहरा 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। जरांगे ने यह भी कहा कि वह रैली में बोलेंगे, जिसमें मराठा समुदाय के लोग और किसान शामिल होंगे, लेकिन इस कार्यक्रम में कोई राजनीति नहीं होगी। वह छत्रपति संभाजीनगर के एक निजी अस्पताल में पत्रकारों से बात कर रहे थे, जहां मराठा समुदाय के लिए ओबीसी कोटा की मांग से संबंधित अनशन खत्म किए जाने के बाद उनका इलाज जारी है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत मराठा समुदाय को आरक्षण देने की मांग को लेकर जरांगे 17 सितंबर को भूख हड़ताल पर बैठे थे, जो एक साल में उनकी छठी हड़ताल थी। मराठा समुदाय के सदस्यों की अपील का हवाला देते हुए उन्होंने 25 सितंबर को अपना अनशन खत्म कर दिया था। इस साल फरवरी में, महाराष्ट्र विधानमंडल ने सर्वसम्मति से एक अलग श्रेणी के तहत शिक्षा और सरकारी नौकरियों में मराठाओं के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला एक विधेयक पारित किया था। हालाँकि, जरांगे ओबीसी मद के तहत समुदाय के लिए कोटे की अपनी मांग पर अड़े रहे।

पुरस्कार ▸ 8 अक्टूबर को मिलेगा सम्मान

मिथुन चक्रवर्ती को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार

दीपक पवार । मुंबई

इस साल दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड मिथुन चक्रवर्ती को दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार (30 सितंबर) को यह घोषणा की। मिथुन दा को 8 अक्टूबर को 70वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में सम्मानित किया जाएगा। मिथुन करीब 5 दशक के करियर में बांग्ला, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, ओडिया और भोजपुरी की 350 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं।

3 बार नेशनल अवॉर्ड

उन्होंने अपना फिल्मी करियर 1976 में मृगया से शुरू किया था और इस पहली ही फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड जीता था। 1982 में आई डिस्को डांसर से उन्हें पहचान मिली। मिथुन को 3 बार नेशनल अवॉर्ड मिल चुका है। उन्हें जनवरी 2024 में पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया था।

लिम्का बुक में दर्ज है मिथुन का नाम

मिथुन चक्रवर्ती की साल 1989 में 19 फिल्में रिलीज हुई थीं, जिनमें वो बतौर लीड एक्टर नजर आए थे। उनका ये रिकॉर्ड लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। करीब 35 साल बाद भी उनका ये रिकॉर्ड कोई तोड़ नहीं पाया है।

"सच कहूं तो इतना प्रतिष्ठित पुरस्कार पाकर मैं नि:शब्द हूं। न मैं रो पा रहा हूं न मैं मुस्कुरा पा रहा हूं। इतनी बड़ी चीज है। जहां से मैं आया हूं, उस लड़के को इतना बड़ा सम्मान मिला है, मैं सोच भी नहीं सकता। मैं ये अपने परिवार और दुनियाभर के फैंस को डेडिकेट करता हूं।

\- मिथुन चक्रवर्ती

"प्रसन्नता है कि मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। वह एक सांस्कृतिक आदर्श हैं और उनकी बहुमुखी प्रतिभा के लिए उन्हें पीढ़ियों से सराहा जाता है। उन्हें बधाई और शुभकामनाएं।

\- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आज एनसीपी के नाम और चिन्ह के मुद्दे पर होगी सुनवाई

राजा आदाटे । मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नाम और चुनाव चिन्ह के मामले पर लगातार आगे बढ़ रही सुनवाई अब मंगलवार को तय है। बीते बुधवार को मामले का उल्लेख करते हुए अजित पवार गुट ने सुप्रीम कोर्ट से शरद पवार की अर्जी पर जवाब दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का समय मांगा था। इस पर उन्होंने अपना जवाब दाखिल कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस उज्जवल भुयान की बेंच के समक्ष मंगलवार को मामले की सुनवाई होगी।

शरद पवार गुट ने अर्जी दायर कर अदालत से गुहार लगाई थी

शरद पवार गुट ने अर्जी दायर कर अदालत से गुहार लगाई थी कि महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव में अजित पवार गुट को घड़ी के बजाय दूसरा चुनाव चिन्ह दिया जाए। इसके साथ ही शरद गुट ने सुप्रीम कोर्ट के यह मुद्दा भी संज्ञान में लाया कि अजित पवार खेमा अदालत के उस आदेश का पालन नहीं कर रहा है, जिसमें उसे अखबारों में सार्वजनिक नोटिस जारी कर यह बताने के लिए कहा गया था कि एनसीपी का घड़ी चुनाव चिन्ह कोर्ट में विचाराधीन है। शरद गुट इस मुद्दे भी मुद्दे पर अजित गुट निर्देश देने की मांग की है। मामले से जुड़े वकील सिद्धार्थ शिंदे का कहना है कि अजित गुट को अलग चुनाव चिन्ह देने की शरद पवार गुट की मांग पर विचार करना असंभव लगता है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट उनके आदेश का अनुपालन नहीं करने के मामले में अजित गुट को निश्चित रुप से निर्देश जारी कर सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे ठाणे का दौरा

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई मनपा मुख्यालय पर बैठक

दोपहर संवाददाता | ठाणे

शहर स्थित कासरवडवली के वालावलकर मैदान में होने वाली मुख्यमंत्री महिला सशक्तीकरण अभियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार 5 अक्टूबर 2024 को उपस्थिति रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी के दौरा को लेकर व्यवस्था करने के लिए मनपा मुख्यालय पर बैठक किया गया।इस कार्यक्रम में लगभग 40 हजार नागरिकों की उपस्थिति रहेगी, इसलिए आस पास के मनपा में भी 1200 बस का उपयोग नागरिकों को आने जाने के लिए किया गया।

5 अक्टूबर को है यह दौरा

ठाणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दौरा 5 अक्टूबर को है। दौरे के लिए आवश्यक सभी व्यवस्था का नियोजन करने के लिए बैठक हुई। इस बैठक में महापालिका आयुक्त सौरभ राव,जिलाधिकारी अशोक शिनगारे, महाराष्ट्र मेट्रो रेल महामंडल व्यवस्थापकीय संचालक श्रावण हर्डीकर, एमएमआरडीए अतिरिक्त महानगर आयुक्त अश्विन मुदगल, अतिरिक्त जिलाधिकारी मनिषा जायभाये सहित एमएमआरडीए, महामेट्रो आदि विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति रही।

बरसात को देखते हुए सभामंडप, पार्किंग व्यवस्था किया जाय साथ ही बिजली पानी, इंटरनेट सेवा का भी पर्याय व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए जिलाधिकारी शिनगारे ने बैठक में कहा। यातायात जाम की समस्या को लेकर कुछ समय के लिए सड़कों का आवागमन बाधित करना पड़ेगा, इसकी जानकारी नागरिकों को देना पड़ेगा। मुख्य सभामंडप, हेलिपॅड,गाड़ी, बस पार्किंग व्यवस्था, बिजली पानी, सीसीटीव्ही नेटवर्क व सड़कों पर आवागमन को लेकर जानकारी यातायात पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने बैठक में दी। 1200 बस के पार्किंग की व्यवस्था का नियोजन सार्वजनिक बांधकाम विभाग ने किया है। साथ ही उस जगह को कब्जे में लेकर काम चल रहा है, यह जानकारी नगर अभियंता प्रशांत सोनाग्रा ने दिया।

भाजपा भिवंडी पूर्व विधानसभा जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

चुनाव आयोग द्वारा नवंबर में चुनाव होने की संभावना आने के बाद चुनावी सरगर्मियां शुरू हो गयी हैं। भिवंडी के पूर्व अध्यक्ष व भिवंडी पूर्व विधानसभा चुनाव प्रमुख संतोष शेट्टी के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस उद्घाटन समारोह में प्रदेश सचिव कल्पना शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षल पाटिल के साथ शिवसेना (शिंदे) शहर प्रमुख सुभाष माने, राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजीत पवार) शहर अध्यक्ष प्रवीण पाटिल, आरपीआई शहर अध्यक्ष महेन्द्र गायकवाड़ आदि के साथ भाजपा महिला व पुरुष कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित थे।

स्वच्छता की शुरुआत स्वयं से होनी चाहिए : मनपा आयुक्त

दोपहर संवाददाता | डोंबिवली

मनपा आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने अपील की कि स्वच्छता की शुरुआत स्वयं से होनी चाहिए। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत कल्याण में स्कूली छात्रों के लिए पी.के.आचार्य अत्रे रंगमंदिर में मनपा और पर्यावरण सतर्कता बोर्ड के सहयोग से ठोस अपशिष्ट जागरूकता और पर्यावरण फिल्म महोत्सव 2024 का आयोजन किया गया। यह अपील नगर निगम आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने उस समय उपस्थित विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए की। उन्होंने कहा कि यदि छात्र पहल करें और अपने घरों और अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखने के बारे में जन जागरूकता पैदा करें, तो इससे उनके इलाके, उनके शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि सभी को कचरा निपटान के लिए आरआरआर (रिड्यूस, रीयूज, रीसाइक्लिंग) को अपनाना चाहिए। कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छता की शपथ दिलाकर की गई। इसके बाद उपस्थित स्कूली छात्र-छात्राओं को जैव विविधता का अनोखा नजारा दिखाने वाली जागरूकता लघु फिल्में दिखाई गईं। इस अवसर पर नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड, पर्यावरण सतर्कता बोर्ड के प्रबंध निदेशक मिलिंद मराठे, कार्यकारी अभियंता प्रमोद मोरे, छठी आयुक्त प्रीति गाडे, पर्यावरण सतर्कता बोर्ड रूपाली शाइवाले उपस्थित थे।

अक्षय शिंदे के कब्र स्थल पर लगा सीसीटीवी कैमरा

श्मशान घाट पर बढ़ाई गई सुरक्षा

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

रविवार को उल्हासनगर शहर के शांतिनगर श्मशान भूमि में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन व हंगामे के बीच अक्षय शिंदे के शव को दफनाया गया। इसके बाद प्रशासन ने तत्काल सुरक्षा उपाय करते हुए किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कब्रगाह पर सीसीटीवी कैमरे लगा दिए और परिसर में पुलिस की सख्त तैनाती की गई है ,

स्थानीय नागरिकों और कुछ राजनीतिक नेताओं का कड़ा विरोध

रविवार को अक्षय शिंदे को दफनाए जाने की जानकारी मिलते ही स्थानीय नागरिकों और कुछ राजनीतिक नेताओं ने इसका कड़ा विरोध किया था। इस विरोध प्रदर्शन से शांति भंग होने की आशंका को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए श्मशान घाट क्षेत्र में सीसीटीवी लगाने का निर्णय लिया. शांतिनगर श्मशान घाट में सीसीटीवी कैमरे लगाने से कब्र व परिसर में होने वाली गतिविधियों पर लगातार नजर रखकर किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इस सीसीटीवी कैमरे की मदद से कब्रिस्तान के आसपास कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखा जा सकता है। प्रशासन ने घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ भारी पुलिस बल तैनात किया है।

पुलिस के लिए सिर दर्द बनी नकली पुलिस

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी में पुलिस के लिए नकली पुलिस सिर दर्द साबित हो रहे हैं। यह गिरोह मुंबई नाशिक हाइवे पर रांजणोली नाका तक सक्रिय है और आए दिन यात्रियों को अपनी चालाकी से ठगी का शिकार बना रहा है। शनिवार के रोज टेमघर पाड़ा इलाके में एक 64 वर्षीय महिला को नकली पुलिस ने अपना शिकार बनाया है। पुलिस का नकली आईडी कार्ड बता कर महिला के एक लाख 90 हजार रूपये के मंगलसूत्र ठग कर फरार हो गए हैं, जिन्हें पकड़ना पुलिस के लिए सिर दर्द बन गया है।

नाशिक-मुंबई हाइवे पर बना रहे हैं यात्रियों को ठगी का शिकार

पुलिस के अनुसार, शनिवार के रोज दोपहर 12 बजे के करीब भादौड़ गांव निवासी 64 वर्षीय महिला टेमघर पाड़ा इलाके में अपनी स्कूटी से जा रही थी। जैसे ही महिला ठाकरे पाड़ा से तड़ाली रोड जाने वाली कच्ची सड़क पर बीएमसी पाइप लाइन के सामने पहुंची उसी दौरान पीछे से मोटर साइकिल पर दो अज्ञात व्यक्तियों ने महिला को रोका और पुलिस का आईडी कार्ड दिखाते हुए कहा कि वह पुलिस है और महिला से ड्राइविंग लाइसेंस दिखने को कहा। इसके बाद दूसरे व्यक्ति ने महिला से कहा कि इतना सोना पहन कर आगे जाने का नहीं। आगे एक महिला से सोना छीन कर उसकी हत्या कर दी गई है। यदि तुम आगे गई तो 5000 रूपये दंड भरना पड़ेगा। जिसके बाद ठगबाजों ने महिला से सोना गले से निकाल कर रखने को कहा और बड़ी चालाकी से दोनो ठगबाजों ने महिला को कागज में पत्थर के टुकड़े भर कर देते हुए उसका 1 लाख 90 हजार मूल का मंगलसूत्र लेकर वहां से रफूचक्कर हो गए। महिला ने अपने साथ हुई घटना की शिकायत शहर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनो अज्ञात ठगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4), 316(2), 3(5) के तहत मामला दर्ज कर दोनो की तलाश शुरू कर दी है। इस मामले की जांच पुलिस निरीक्षक भोईर कर रहे हैं।

किंग्स बार पर पुलिस का छापा

मैनेजर व सिंगर माहिया समेत 8 लोगों पर मामला दर्ज

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

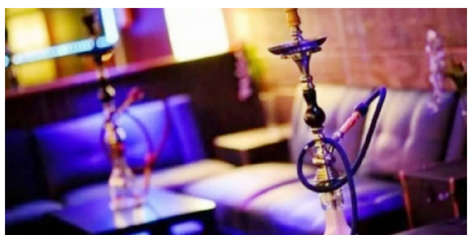

भिवंडी। भिवंडी तालुका के रांजणोली इलाके में किंग्स ऑर्केस्ट्रा बार एंड रेस्टोरेंट पर कोनगांव पुलिस ने देर रात छापा मार कर करवाई की है। इसमें पुलिस ने एक बार मैनेजर, 2 सिंगर महिला, 2 वेटर, 3 ग्राहकों सहित कुल 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने छापा के दौरान बार की महिला सिंगर रेशमा लालू राठोड़ (24) , शीतल संतोष शर्मा (26), वेटर विनय मुनारी पासवान (30), उमेश पुनीष यादव (24), ग्राहक, उदयनाथ गंधर्व साहू (42), मोहम्मद शरीफ मेहदी हसन मंसूरी (38), दीपक विष्णुकांत दुबे (23) पर मामला दर्ज किया है।

8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

कोनगांव पुलिस के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली कि किंग्स ऑर्केस्ट्रा बार में देर रात तक छम-छम चल रहा है, जहां महिलाओं का अपने बदन पर कम कपड़े पहन कर अश्लील डांस कर रही हैं। इसके बाद पुलिस की टीम ने देर रात बार पर छापा मार दिया। जहां पुलिस ने देखा कि ग्राहकों को आकर्षित करने और रिझाने के लिए बारबाला रेशमा और शीतल रंग-बिरंगे परिधान और भड़कीले कपड़े पहने हुए थी और डांस के दौरान मंच से नीचे उतर कर ग्राहकों के करीब जाकर अश्लील हरकतें करते हुए अपने हाथों से ग्राहकों को फ्लाइंग किस दे रही थी। ग्राहकों को रिझाने और गुमराह करने के लिए इशारे भी कर रही है। जिस के बाद पुलिस ने बार पर कार्रवाई करते हुए वहां से 2 हजार 740 रूपये जब्त कर 8 लोगों के खिलाफ पुलिस शिपाही शोएब शेर मोहम्मद शेख की शिकायत पर बीएनएस की धारा 296, 3(5) व महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की कलम 110/117 के तहत मामला दर्ज किया है। आगे की कार्रवाई पुलिस उपनिरीक्षक घाटगे मैडम कर रही है।

लोक अदालत में भिवंडी ट्रैफिक पुलिस द्वारा वसूला गया 8 लाख जुर्माना

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी में 28 सितंबर को अदालत में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत कार्यक्रम के तहत भिवंडी ट्रैफिक पुलिस के पुलिस उपायुक्त क्षेत्र अंतर्गत कल्याण नाका, नारपोली और कोनगांव यातायात शाखा की पुलिस ने 1361 वाहनों पर हुए केस 8 लाख 31 हजार 850 रुपये का जुर्माना वसूला है। इसमें नारपोली ट्रैफिक पुलिस ब्रांच ने सबसे अधिक 605 वाहन चालकों से 3 लाख 5 हजार 200 रुपए जुर्माना वसूला है। इसके बाद कल्याण नाका ट्रैफिक पुलिस ब्रांच ने 447 वाहन चालकों से 2 लाख 90 हजार 500 रुपए और राजनोली ट्रैफिक पुलिस ब्रांच ने 309 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई कर 2 लाख 36 हजार 150 रुपए का जुर्माना वसूला है।

छात्रा के साथ कॉलेज के चौकीदार ने की छेड़छाड़

मनसे पदाधिकारियों ने चौकीदार की पीटा

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर कैंप- 5 के एक नामी कॉलेज में छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद मनसे पदाधिकारियों ने कॉलेज के चौकीदार की पिटाई कर पुलिस के सुपुर्द किया।

सख्त कार्रवाई की मांग

इस बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष सचिन कदम, संजय घुगे, वैभव कुलकर्णी, शैलेश पांडव ने हिललाइन पुलिस स्टेशन में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

क्या है पूरा मामला ?

उल्हासनगर-5 में रहनेवाली एक 17 वर्षीय 12 वीं क्लास की एक छात्रा अपनी सहेली के साथ कॉलेज में एक कार्यक्रम के लिए कपड़े बदलने गई थी। चौकीदार ने उससे कहा कि इस जगह पर कोई कैमरा नहीं है, पर्दे के पीछे कपड़े बदलो और फिर कपड़े बदलने के बाद उसने कहा श्वाहश। लड़की ने घटना के बारे में अपनी मां को बताया, जिसने तुरंत पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई। इस घटना की जानकारी जैसे ही उल्हासनगर शहर में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के उल्हासनगर विधानसभा उपविभाग के अध्यक्ष अजय बागुल को मिली तो उन्होंने कॉलेज में जाकर इस घटना का स्पष्टीकरण मांगा और चौकीदार भीम बहादुर खड़क को एक जोरदार तमाचा भी जड़ दिया।

डॉ संजय गुप्ता ने समर्थकों के साथ वंचित बहुजन आघाड़ी में किया प्रवेश

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

भारतीय जनता पार्टी उत्तरभारतीय मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद संजय गुप्ता ने रविवार देर शाम सपना गार्डन स्थित सिंधु भवन में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में वंचित बहुजन आघाड़ी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रेखा ठाकुर के समक्ष प्रवेश लिया। भाजपा में 12 साल तक सक्रिय रहे डॉ संजय गुप्ता ने अपने इस्तीफे का कारण पार्टी में बढ़ते भ्रष्टाचार को बताया। उन्होंने कहा कि उल्हासनगर के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपये की योजनाएं आईं, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं हुआ। उनका आरोप था कि विधायक कुमार आयलानी के नेतृत्व में विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ, जिससे शहर का विकास नहीं हो पा रहा है। इसे लेकर भाजपा मोर्चा पद छोड़कर वह वंचित अधाड़ी में प्रवेश किया।आने वाले विधानसभा चुनाव में समाजहित भावना के साथ जरूर जीत हासिल करेंगे।

स्लम स्कूलों को मान्यता देने के मानदंड में 50 प्रतिशत की छूट की मांग

स्कूल मैनेजमेंट फेडरेशन के प्रतिनिधियों ने मंत्री दीपक केसरकर से की मुलाकात

एजेंसी | मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष सलीम सारंग के नेतृत्व में स्कूल प्रबंधन महासंघ के एक प्रतिनिधि ने महाराष्ट्र में, विशेषकर मुंबई के स्लम इलाकों में स्कूलों के सामने आने वाली चुनौतियों पर स्कूल शिक्षा मंत्री दीपकजी केसरकर से मुलाकात की। निकाय ने बताया कि मौजूदा मान्यता मानदंड जैसे 5,000 वर्ग फुट भूमि, 30 साल का पट्टा समझौता, 7/12 सर्वेक्षण रिपोर्ट और 20 लाख रुपये की सावधि जमा इन स्कूलों के लिए चुनौतीपूर्ण हैं। प्रतिनिधियों ने गंभीर मुद्दा उठाया कि मौजूदा मान्यता नियम क्षेत्र के 674 स्कूलों और 100,000 छात्रों की शिक्षा में बाधा डाल रहे हैं।

आइए स्लम स्कूलों को मान्यता देने के संशोधित मानदंड में सकारात्मक निर्णय लें: केसरकर

स्लम क्षेत्रों में पढ़ने वाले बच्चे झुग्गी-झोपड़ियों में रहनेवाले आर्थिक रूप से वंचित होते हैं। यदि अन्य क्षेत्रों की तरह इन स्कूलों के लिए भी मानक तय किए जाएंगे तो स्कूलों के लिए छात्रों की फीस से अपनी लागत वसूल करना संभव नहीं होगा। आशंका है कि अगर फीस बढ़ा दी गई तो ये बच्चे स्कूल छोड़ देंगे। इसलिए घनी आबादी वाले क्षेत्रों के लिए भूमि की शर्त में ढील दी जानी चाहिए और कम जगह में स्कूल चलाने की अनुमति दी जानी चाहिए। छोटी लीज़ अवधि या नवीनीकरण के लिए अन्य विकल्पों पर विचार किया जाना चाहिए। साथ ही सर्वेक्षण रिपोर्ट की आवश्यकता के अनुसार सावधि जमा शुल्क को कम करके अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाया जाना चाहिए। इसलिए, गरीब और वंचित बच्चों की शिक्षा के संदर्भ में, मानदंडों में ढील दी जानी चाहिए और इस समय मानदंडों में 50 प्रतिशत की छूट की मांग की गई थी। मंत्री दीपक केसरकर ने वादा किया है कि इस मामले पर जल्द ही विचार कर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सरकार हमेशा गरीब और वंचित बच्चों की शिक्षा के संबंध में सकारात्मक निर्णय लेने की मंशा रखती है। पिछले सप्ताह अस प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के उपाध्यक्ष सलीम सारंग के साथ उपमुख्यमंत्री अजित पवार से मुलाकात की। सारंग ने कहा कि अजित दादा ने तुरंत शिक्षा मंत्री के साथ यह बैठक आयोजित की और आश्वासन दिया कि किसी भी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई नहीं रुकनी चाहिए।

सर्जरी के कुछ घंटों बाद ही चलने लगा मरीज

डायरेक्ट एटरियर हिप रिप्लेसमेंट की सहायता से 20 साल के मरीज को एस्सेल नेक्रोसिस से मुक्ति

एजेंसी | मुंबई

हाथ पैर जैसे अंग कटने के बाद अस्पतालों में मरीजों के पुनर्वास के लिए प्रोस्टेथिक अंग लगाए जाते हैं। हालांकि, इस प्रक्रिया में मरीज को दोबारा चल फिर पाने में काफी समय लगता है। इसको देखते हुए मुंबई सेंट्रल के वॉकहार्ट अस्पताल में आधुनिक सर्जिकल तकनीकों का उपयोग किया जाने लगा है।

हिप प्लांट सर्जरी

वॉकहार्ट अस्पताल मुंबई सेंट्रल में सलाहकार हड्डी रोग विशेषज्ञ और संयुक्त प्रतिस्थापन सर्जन डॉ. सुप्रीत बाजवा ने बताया कि एक युवा पिछले कुछ वर्षों से हिलने-डुलने के कारण कमर में दर्द बढ़ने की शिकायत के साथ अस्पताल में भर्ती हुआ। युवा मरीज ने हाल ही में लंगड़ापन की समस्या का भी जिक्र किया, जिसमें क्रॉस-लेग सीट, बाइक चलाना और भारतीय कमोड का उपयोग करने की उनकी क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित हुई। अपनी समस्या के बारे में विस्तृत परामर्श के बाद, इस युवा मरीज ने अपने कूल्हे की सर्जरी के बारे में निर्णय लिया जिसके बाद रोगी को एवास्कुलर नेक्रोसिस (एवीएन) का पता चला। डॉ. सुप्रीत बाजवा ने बताया कि रक्त की आपूर्ति की कमी के कारण, फेमोरल हेड मर जाता है और ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जहां फेमोरल हेड क्षतिग्रस्त हो जाता है। विभिन्न प्रकार के पौधों के कारण हो सकते हैं, जिनमें शराब का सेवन, नशे का सेवन, रक्त विकार जैसे सिकल सेल रोग या थैलेसीमिया शामिल हैं। इस युवा मरीज में, एवेस्कुलर नेक्रोसिस उन्नत चरण में पहुंच गया था। इसके विपरीत, छात्रों और आईआईटी संस्थानों के छात्रों को गंभीर दर्द के कारण हिलने-डुलने में शक्ति का एहसास हुआ। इस युवा मरीज़ का राउंड हिप बॉल फ्रैक्चर हो गया था और सर्जरी की ज़रूरत थी। युवा रोगियों की प्रत्यक्ष पूर्वकाल दृष्टिकोण का उपयोग करके कुल हिप प्लांट सर्जरी की गई। इस तकनीक की खासियत यह है कि सर्जरी से कम नुकसान होता है और मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और सर्जरी करने वाली जगह के आसपास कोई नुकसान नहीं होता है। इस तकनीक से सर्जरी के बाद इस युवा मरीज की हालत में तेजी से सुधार हुआः वह सर्जरी के सिर्फ छह घंटे बाद चल रहा था और 12 घंटे के अंदर सीढ़ियां चढ़ रहा था, और 24 घंटे के अंदर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

महाराष्ट्र में बीजेपी का 'मास्टरस्ट्रोक'

किरेन रिजिजू को मैदान में उतार बौद्ध समुदाय को साधने की कोशिश

एजेंसी | मुंबई

इस साल के अंत महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने हैं। ये चुनाव इस बार काफी ज्यादा खास होने वाला हैं। इस बार चुनावों में महाविकास अघाड़ी और महायुति के बीच सीधी टक्कर है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं। वहीं, इन विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी ने एक बड़ा कदम उठाया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने भाजपा ने महाराष्ट्र में अपने एकमात्र बौद्ध मंत्री किरेन रिजिजू को मैदान में उतारा है।

किरेन रिजिजू के कंधों पर है ये बड़ी जिम्मेदारी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने एकमात्र बौद्ध मंत्री किरेन रिजिजू को एक बड़ी जिम्मेदारी सौपी है। किरेन रिजिजू को राज्य में असंतुष्ट और नाराज 'मराठी बौद्ध' समुदाय को लुभाने की जिम्मेदारी दी गई है। 2011 की जनगणना के अनुसार, महाराष्ट्र में मराठी बौद्धों की आबादी 5 181% है, जो भारत में कुल बौद्ध आबादी का 77% है। ऐसे में बीजेपी की कोशिश मराठी बौद्ध समुदाय के लोगों को अपनी तरफ लाने की है।

लोकसभा चुनाव में विभिन्न दलित बौद्ध संगठनों ने किया था

लोकसभा चुनाव 2024 में महाराष्ट्र में NDA का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में बीजेपी का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा था। उसकी सीटों का खाता मात्र 9 पर सिमट गया, वही पूरी एनडीए सिर्फ 17 सीटें जीत पाई थी। इस दौरान 48 विभिन्न दलित बौद्ध संगठनों ने महाविकास अघाड़ी को अपना समर्थन दिया था। जिसका नुकसान बीजेपी को हुआ था। ऐसे में बीजेपी की कोशिश इस समुदाय को अपनी तरफ लाने की है। लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी पर सविंधान बदलने के आरोप लगे थे। जिसके बाद मराठी बौद्ध समुदाय बीजेपी से अलग हो गया था।

दो बजे दोपहर पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार हर रचना अद्वितीय होनी चाहिए : एस. डी. बर्मन

साल के पहले नौ महीनों में 105664 से अधिक संपत्ति का हुआ पंजीकरण

मुंबई। महाराष्ट्र में बीएमसी अधिकार क्षेत्र अंतर्गत मुंबई शहर में इस वर्ष के पहले नौ महीनों में 105,664 से अधिक संपत्ति का पंजीकरण होने से इस अवधि के दौरान राज्य सरकार को 8892 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व प्राप्त हुआ। नाइट फ्रैंक इंडिया की सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि संपत्ति पंजीकरण में साल-दर-साल 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी और इस दौरान राजस्व में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई। सितंबर 2024 में मुंबई ने 100,000 संपत्ति पंजीकरण को पार कर लिया जबकि वर्ष 2023 में यह आंकड़ा अक्टूबर में हासिल किया गया था।

त्योहारी सीजन के दौरान 519 स्पेशल ट्रेनें चलाएगी रेलवे

धीरज सिंह । मुंबई

दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के दौरान भारतीय रेल द्वारा इस वर्ष 519 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इन स्पेशल ट्रेनों का संचालन 1 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच किया जाएगा। रेलवे अधिकारी के मुताबिक हर साल त्योहारों के अवसर पर रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाता है। इस वर्ष इन स्पेशल ट्रेनों की संख्या में भारी बढ़ोतरी की गई है। इनमें से, पश्चिम रेलवे 86 फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों के साथ 1,382 फेरे चला रहा है, जो पूरे भारतीय रेलवे में सबसे अधिक हैं।

6000 फेरे लगाएंगी ये स्पेशल ट्रेनें

दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पर्वों के दौरान लाखों की संख्या में यात्री सफर करते हैं। यात्रियों की भारी भीड़ को सुगम एवं आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा इस वर्ष भी विशेष ट्रेनों का संचालन करने की तैयारी की गई है। दो महीने की अवधि के दौरान ये स्पेशल ट्रेनें लगभग 6000 फेरे लगाएंगी और बड़ी तादाद में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का काम करेंगी। पिछले वर्ष भी भारतीय रेल द्वारा बड़ी संख्या में त्योहार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया था और इन ट्रेनों ने कुल 4,429 फेरे लगाए थे, जिनके माध्यम से लाखों की संख्या में यात्रियों को आरामदायक यात्रा की सुविधा प्राप्त हुई थी।

इस वजह से स्पेशल ट्रेनों का संचालन

हर साल दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा के अवसर पर देश भर से बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश और बिहार की ओर प्रस्थान करते हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए ये त्योहार न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि परिवारों से मिलने का भी एक अहम अवसर होते हैं। हर साल त्योहारों के दौरान यात्रियों की भीड़ की वजह से अधिकांश ट्रेनों में दो-तीन महीने पहले से ही टिकट वेटिंग लिस्ट में चली जाती है। इसी को देखते हुए रेलवे द्वारा इस वर्ष भी त्योहारों के अवसर पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

86 स्पेशल ट्रेनों की अधिसूचना जारी

इस वर्ष, पश्चिम रेलवे ने 86 स्पेशल ट्रेनों की अधिसूचना जारी की है, जो 1,380 से अधिक फेरे लगाएंगी। पिछले वर्ष की तुलना में, पश्चिम रेलवे ने 21 और ट्रेनें जोड़ी हैं और लगभग 270 अतिरिक्त फेरे बढ़ाए हैं, ताकि त्योहारी सीजन के दौरान बढ़ती यात्रा मांग को पूरा किया जा सके। ये ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर भारत, उत्तर पूर्व आदि के गंतव्यों के लिए चलाई जा रही हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई से देश के विभिन्न गंतव्यों के लिए 14 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी तरह, गुजरात के अन्य स्टेशनों जैसे वापी, वलसाड, वडोदरा, अहमदाबाद, साबरमती, हापा, ओखा, राजकोट, भावनगर टर्मिनस आदि से स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, साथ ही मध्य प्रदेश के इंदौर, डॉ. अंबेडकर नगर और उज्जैन से भी स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

महाराष्ट्र सरकार की योजना से सब्सिडी पर प्रभाव पड़ सकता: नितिन गडकरी

राजा आदाटे । मुंबई

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि महिलाओं को वित्तीय मदद देने के लिए शुरू की गई महाराष्ट्र सरकार की लड़की बहन योजना अन्य क्षेत्रों में सब्सिडी के समय पर भुगतान को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा कि विदर्भ (महाराष्ट्र का क्षेत्र) के उद्यमियों को निवेश के लिए आगे आना चाहिए, क्योंकि सब कुछ सरकार पर नहीं छोड़ा जा सकता। महाराष्ट्र के नागपुर में रविवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने कहा, यह अनिश्चित है कि निवेशकों को समय पर उनकी सब्सिडी का भुगतान मिलेगा या नहीं, क्योंकि सरकार को लड़की बहन योजना के लिए भी धन आवंटित करना है। गडकरी ने कहा कि अगर आपको सब्सिडी मिल रही है, तो लीजिए, लेकिन यह निश्चित नहीं है कि सब्सिडी कब मिलेगी। लड़की बहन योजना शुरू होने के बाद, उन्हें सब्सिडी के लिए आवंटित धन का इस्तेमाल उसी काम के लिए करना होगा।

सालाना 46 हजार करोड़ के खर्च की उम्मीद

राज्य सरकार की 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना' के तहत ढाई लाख रुपये से कम पारिवारिक आय वाली 21-65 वर्ष की विवाहित, तलाकशुदा और निराश्रित महिलाओं को 1,500 रुपये मासिक सहायता मिलती है। आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले शुरू की गई इस योजना से राज्य के खजाने पर सालाना 46 हजार करोड़ रुपये का बोझ पड़ने की उम्मीद है।

विपक्ष ने पलटवार किया

भाजपा नेता गडकरी की टिप्पणियों पर विपक्षी दल राकांपा (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) ने पलटवार किया। राकांपा (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने पुणे में कहा कि अगर सरकार के लोग कह रहे हैं कि महाराष्ट्र की आर्थिक स्थिति संकट में है, तो यह चिंता की बात है। उन्होंने दावा किया, जब वित्त विभाग आपत्ति जताता है या सिफारिश करता है तो कोई सुनता नहीं है, बल्कि कैबिनेट में जबरन फैसले लागू किए जाते हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि अगर ऐसे समय में जब खजाने में धन की कमी है और धन का दुरुपयोग और कुप्रबंधन हो रहा है, तो क्या केंद्र सरकार की (राज्य की योजना के संबंध में) कोई जिम्मेदारी है?

पश्चिम रेलवे का 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान

विभिन्न गतिविधियों का किया गया आयोजन

मुंबई। पश्चिम रेलवे 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2024 तक सक्रिय रूप से 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान का आयोजन कर रही है। अभियान के 11वें, 12वें और 13वें दिन, यानी 27, 28 और 29 सितम्बर 2024 को क्रमशः स्वच्छ भारत सांस्कृतिक उत्सवों और बेस किचन, रेस्टोरेंट, फूड स्टॉल और पेंट्री कार की सफाई पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सांस्कृतिक उत्सवों का 4,200 से अधिक दर्शकों ने आनंद लिया

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अभियान के 11वें दिन यानी 27 सितंबर, 2024 को पश्चिम रेलवे पर स्वच्छता, सफाई और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए रेलवे स्टेशनों पर सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किए गए। स्वच्छ भारत सांस्कृतिक उत्सव 26 स्थानों पर सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जिसने कला, संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता का जीवंत मिश्रण प्रदर्शित किया गया। कुल 32 नुक्कड़ नाटक (स्ट्रीट प्ले) प्रस्तुत किए गए, जिसमें स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी पर सशक्त संदेशों के साथ 2,558 दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अतिरिक्त, स्थानीय और क्षेत्रीय कला को दर्शाने वाले कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ संगीत और नृत्य प्रदर्शन भी आयोजित किए गए। इन सांस्कृतिक उत्सवों का 4,200 से अधिक दर्शकों ने आनंद लिया, जो स्वच्छ भारत मिशन के लिए व्यापक सामुदायिक भागीदारी और समर्थन को दर्शाता है। 12वें दिन यानी 28 सितंबर 2024 को यूथ कनेक्ट जागरूकता अभियान और स्वयंसेवी कार्यक्रम 29 स्थानों पर सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जिनमें 23 प्रभावशाली कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 1,850 युवा प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। विनीत ने बताया कि 13वें दिन, 29 सितंबर 2024 को पश्चिम रेलवे के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों में गहन सफाई अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया।

रवीना के खिलाफ रिपोर्टर के मानहानि के दावे की पुलिस जांच के आदेश

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई की एक अदालत ने सोमवार को स्थानीय पुलिस को बॉलीवुड अदाकारा रवीना टंडन के खिलाफ फ्रीलांस रिपोर्टर मोहसिन शेख द्वारा दायर मानहानि और आपराधिक धमकी की शिकायत की जांच करने का निर्देश दिया। यह शिकायत शेख द्वारा पोस्ट किए गए एक रोड रेज घटना के वीडियो से उपजी है, जिसमें उनका दावा है कि अदाकारा शामिल थीं। पुलिस को 3 जनवरी, 2025 तक अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

पूरा मामला समझें

शेख ने मुंबई के बोरीवली में एक मजिस्ट्रेट अदालत में भारतीय दंड संहिता की धारा 500 (मानहानि के लिए दंड) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत अपनी शिकायत दर्ज कराई। उनका आरोप है कि टंडन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो प्रसारित होने के बाद उनकी मानहानि की, जिसमें एक व्यक्ति ने टंडन के ड्राइवर पर बांद्रा में एक सड़क दुर्घटना के दौरान अपनी मां को टक्कर मारने का आरोप लगाया था। वीडियो में आगे दावा किया गया है कि टंडन ने उस व्यक्ति की मां पर हमला किया जब उसका सामना किया गया। टंडन ने अपने कानूनी प्रतिनिधित्व के माध्यम से शेख को जबरन वसूली करने वाला करार देते हुए वीडियो को हटाने की मांग की और कहा कि इसमें तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया गया है। टंडन के वकील के अनुसार, बाद की पुलिस जांच में पता चला कि अभिनेता की कार किसी भी टक्कर में शामिल नहीं थी। पुलिस के निष्कर्षों के बावजूद, शेख ने अपनी शिकायत में कहा कि 2 जून, 2024 को पोस्ट किया गया उनका वीडियो जिम्मेदार पत्रकारिता और सामाजिक कर्तव्यों के पालन का परिणाम था। उन्होंने तर्क दिया कि वीडियो सामाजिक नैतिकता के उच्च मानकों का पालन करते हुए बनाया गया था। हालांकि, स्थिति तब और बिगड़ गई जब टंडन ने शेख को मानहानि का नोटिस भेजकर 100 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की। शेख ने इस कार्रवाई को कानूनी कार्यवाही के बहाने उन्हें डराने और आर्थिक रूप से बोझ डालने का एक निराधार प्रयास बताया। इसके अलावा, शेख ने टंडन और उनके समर्थकों पर उनके खिलाफ बदनामी का अभियान शुरू करने का आरोप लगाया।

कपास और सोयाबीन किसानों को सब्सिडी वितरण शुरू

पहले चरण में करीब 2399 करोड़ का आवंटन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

2023 के खरीफ सीजन के लिए कपास और सोयाबीन किसानों को सब्सिडी का वितरण आज राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में शुरू किया गया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने किसानों के खातों में ऑनलाइन सब्सिडी जमा की। पहले चरण में 49 लाख 50 हजार खाताधारकों के खाते में 2398 करोड़ 93 लाख रुपये जमा किये जा रहे हैं। कृषि मंत्री धनंजय मुंडे ने पिछले साल फसलों की कम कीमत के कारण नुकसान झेलने वाले सोयाबीन और कपास किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और कृषि मंत्री धनंजय मुंडे ने कैबिनेट बैठक में ऑनलाइन वितरण प्रणाली की चाबी दबाई और किसानों को वित्तीय सहायता का वितरण शुरू किया गया। इसके माध्यम से दो हेक्टेयर की सीमा में लगभग 49 लाख 50 हजार किसानों के खाते में पांच हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से 2398 करोड़ 93 लाख रुपये की राशि वर्गीकृत की गई है। खरीफ सीजन 2023 के दौरान कुल 96 लाख 787 सोयाबीन और कपास किसानों को कृषि विभाग द्वारा डीबीटी प्रणाली के तहत 4194 करोड़ रुपये उपलब्ध कराये गये हैं। जिसमें से कपास के लिए 1548 करोड़ 34 लाख रुपए और सोयाबीन के लिए 2646 करोड़ 34 लाख रुपए निर्धारित किए गए हैं।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

म्हाडा MHADA

(महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की एक क्षेत्रीय इकाई)

टेली. नं.022-66405432, ई-मेल -eewest.msib@mhada.gov.in

ई-निविदा सूचना

कार्यकारी अभियंता (पश्चिम) डिवीजन, मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल, (म्हाडा की इकाई) कमरा नंबर 537, चौथी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई 400 051 फोन नंबर (022) 66405432 द्वारा खुली निविदा /नियमित ई-निविदा 1 काम की संख्या के लिए बी1 (प्रतिशत दर) के रूप में पीडब्ल्यूडी / म्हाडा / सीपीडब्ल्यूडी / सिडको / एमईएस / एमजेपी / एमआईडीसी / भारतीय रेलवे / बीपीटी / एमसीजीएम के साथ पंजीकृत ठेकेदारों या किसी सरकारी/अर्धसरकारी संगठन या ठेकेदार के अनुरूप उपयुक्त वर्ग में, वाया ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली आमंत्रित कर रहा है। विस्तृत निविदा दस्तावेज उपलब्ध होंगे और डाउनलोड किया जा सकेगा महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल https://mahatenders.gov.in, पर, बोली दस्तावेज वेबसाइट पर लोड किए जा सकते हैं। निविदा अनुसूची इस प्रकार है।

क्र.	चरण विवरण	समय अवधि की तिथि	क्र.	चरण विवरण	समय अवधि की तिथि
1.	दस्तावेजों की बिक्री शुरू	01/10/2024 सुबह 10.30 बजे	2.	बोली पूर्व बैठक	04/10/2024 दोपहर 3.30 बजे
3.	दस्तावेज बिक्री समाप्त	08/10/2024 शाम 6.15 बजे	4.	तकनीकी बोली खोलना	10/12 0/2024 सुबह 10.30 बजे के बाद
5.	मूल्य बोली खोलना	11/10/2024 सुबह 10.30 बजे के बाद			

सक्षम प्राधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए किसी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है, सशर्त प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

Note.1 कृपया वेबसाइट पर विस्तृत निविदा सूचना देखें।

Note. 2 शुद्धिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा सकता है।

Follow us:@mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/820

हस्ता/
कार्यकारी अभियंता (पश्चिम),
एम.एस आई बी बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-राष्ट्र का अग्रणी गृहनिर्माण प्राधिकरण

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

हाइड्रोलिक अभियंता विभाग

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त नीचे दिए गए कार्य के लिए, तीन पैकेट प्रणाली में आइटम दर के आधार पर लाइन में काम करने वाली फर्मों से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा दस्तावेज क्रमांक	2024_एमसीजीएम_1094 234
संगठन का नाम	बृहन्मुंबई महानगरपालिका
विषय	एन.ई.डब्ल्यू.(एमईडब्ल्यूएस/उत्तरी प्रभाग) के अंतर्गत पी' और आर' अवार्ड के जल आपूर्ति नेटवर्क में दैनिक रूप से संचालित बटरफ्लाई वाल्वों के गियरबॉक्स का प्रतिस्थापन।
निविदा शुल्क	रु.7,788.00(रु.6600+(18% जीएसटी)(पैकेट ए खोलने के बाद और पैकेट सी खोलने से पहले भुगतान केवल बीएमसी के किसी भी सीएफसी में चालान द्वारा करें)
निविदा सुरक्षा जमा/ईएमडी	रु. 27,000/- (महाटेंडर्स पोर्टल पर ईएमडी ऑनलाइन भुगतान का 100%)
समय अवधि / अनुबंध अवधि	(04) चार महीने
निविदा जारी और बिक्री की तिथि	30/09/2024 को सुबह 11 बजे से
अंतिम तिथि व समय निविदा बिक्री की और अमानत जमा राशि की रसीद	08/10/2024 को 12.00 बजे तक
पैकेट ए, बी और पैकेट सी जमा करना (ऑनलाइन) और अमानत जमा राशि की रसीद	08/10/2024 को 12.00 बजे तक
बोली पूर्व बैठक	NA
पैकेट 'ए' खोलना	09/10/2024 को दोपहर 03.00 बजे के बाद
पैकेट 'बी' खोलना	14/10/2024 को 12.00 बजे के बाद
पैकेट 'सी' खोलना (वाणिज्यिक पैकेट)	21/10/2024 को दोपहर 03.00 बजे के बाद
वेबसाईट	http://portal.mcgm.gov.in https://mahatenders.gov.in
संपर्क व्यक्ति	1.श्री.एन.एम. दादरकर ए.ई. (मो.न.9869257668) 2.श्री एन.एन.गोसावी एस.ई.(मो.न.9930260505)
संपर्क के लिए पता	सहायक अभियंता जल कार्य (रखरखाव) पश्चिमी उपनगर/उत्तर, म्यूनिसिपल मार्केट बिल्डिंग, पवनधाम मंदिर के सामने, महावीर नगर, हार्मनी टॉवर के पास, बोरीवली (पश्चिम), मुंबई - 400 092.
बोली खोलने का स्थान	सहायक अभियंता जल कार्य कार्यालय में ऑनलाइन (रखरखाव) पश्चिमी उपनगर/उत्तर, म्यूनिसिपल मार्केट बिल्डिंग, पवनधाम मंदिर के सामने, महावीर नगर, हार्मनी टॉवर के पास, बोरीवली (पश्चिम), मुंबई - 400 092.

यह निविदा दस्तावेज हस्तांतरणीय नहीं है।

एमसीजीएम किसी भी आवेदन को स्वीकार करने या उपरोक्त विषय के लिए प्राप्त किसी भी या सभी आवेदनों को बिना कोई कारण बताए अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

पीआरओ/1460/विज्ञा./2023-24

हस्ता/
डीवाई. हाइड्रोलिक अभियंता(मेंटेनेंस)

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

‘राज्यमाता’ बनेगी भाग्यविधाता

महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने कैबिनेट की बैठक में गाय को राज्यमाता का दर्जा देकर बड़ा दांव खेला है। महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय समाज में आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और ऐतिहासिक महत्व रखने वाली देशी गायों को ‘राज्यमाता-गोमाता’ घोषित करने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में देशी गायों को ‘राज्यमाता-गोमाता’ घोषित करने के प्रस्ताव को चर्चा के बाद स्वीकार कर लिया गया और इस संबंध में शासनादेश (जीआर) भी जारी कर दिया गया है। महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि इसका विधानसभा चुनाव में क्या असर होगा? क्या इस निर्णय में महायुति को चुनाव में फायदा होगा? विपक्षी दलों पर इसका क्या असर पड़ेगा? ऐसे कई सवालों ने जन्म ले लिया हैं। महाराष्ट्र के चुनाव में ‘राज्यमाता’ गाय बनेगी महायुति की भाग्यविधाता? इस आर्टिकल में हम जानेंगे की इसका क्या असर होगा। महाराष्ट्र में चुनाव की तैयारियों जोरों पर हैं। चुनाव आयोग की टीम दो दिवसीय महाराष्ट्र दौरे से लौट चुकी हैं। अब माना जा रहा है कि 8 अक्टूबर के बाद कभी भी विधानसभा चुनाव का ऐलान हो सकता है। ऐसे में राज्य की महायुति सरकार पर भी तैयारियों में जुट गई है। सोमवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इसका रंग देखने को मिला। चुनाव आते ही राजनीतिक पार्टियां जाति और धर्म का कार्ड खेलना शुरू कर देती हैं। हिंदू धर्म में गाय को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। गाय पवित्र माना जाता है। इसे माता का दर्जा दिया गया है। हिंदू धर्म के कई धार्मिक अनुष्ठानों में गाय की विशेष पूजा की जाती है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार गाय में 33 कोटि देवों का वास होता हैं। इसलिए कई अनुष्ठानों में गाय की गौमाता की पूजा की जाती हैं। धार्मिक अनुष्ठानों में गाय के दूध, घी और गोमूत्र का भी उपयोग किया जाता हैं। महाराष्ट्र सरकार के गाय को राज्यमाता का दर्जा देने वाले निर्णय महायुति को चुनाव में फायदा हो सकता है। कहा जा रहा है कि हिंदू धर्म में गाय आस्था का विषय है। ऐसे में इस निर्णय का असर हिंदू वोटरों पर पड़ सकता हैं। सरकार का यह निर्णय आगामी विधानसभा चुनाव में हिंदू वोटर्स को अपनी ओर आकर्षित करने के रूप में देखा जा रहा है। वहीं विपक्ष भी इस निर्णय के बाद असमंजस की स्थिति में है। विपक्ष की ओर से इस निर्णय को लेकर अब तक कोई बयान नहीं आया है। माना जा रहा है कि यदि विपक्ष इसका विरोध करती है तो विधानसभा में हिंदू वोटबैंक खिसक सकता है। ऐसे में विपक्ष ने चुप्पी साधने में ही अपनी भलाई समझी है।

शख्सियत | राम नाथ कोविंद

भारत के 14वें राष्ट्रपति

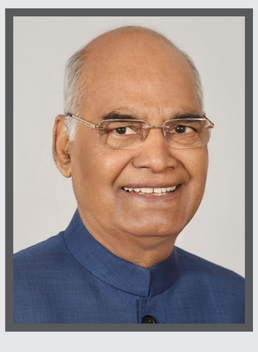

राम नाथ कोविंद का जन्म 1 अक्टूबर 1945 को उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले के परौंख गांव में हुआ था। एक साधारण किसान परिवार में जन्मे कोविंद ने प्रारंभिक शिक्षा अपने गांव में ही पूरी की। उनकी माता-पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर थी, लेकिन उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से शिक्षा प्राप्त की। कोविंद ने कानपुर विश्वविद्यालय से बी.कॉम और एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की।

कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद राम नाथ कोविंद ने दिल्ली में वकील के रूप में अपनी करियर की शुरुआत की। वह 1971 में दिल्ली हाई कोर्ट में वकालत करने लगे और बाद में सुप्रीम कोर्ट में भी प्रैक्टिस की।
कोविंद ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और गरीबों के अधिकारों के लिए लगातार काम किया। उन्होंने निःशुल्क कानूनी सहायता मुहैया कराई और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
राम नाथ कोविंद का राजनीतिक करियर 1991 में शुरू हुआ जब उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होकर राजनीति में कदम रखा। वह दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे, पहली बार 1994 से 2000 तक और फिर 2000 से 2006 तक। राज्यसभा के सदस्य रहते हुए, कोविंद ने शिक्षा, सामाजिक न्याय और विकास के मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया।2015 में, उन्हें बिहार के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया, जहां उनके कार्यकाल को ईमानदारी और निष्पक्षता के लिए सराहा गया। 20 जुलाई 2017 को राम नाथ कोविंद भारत के 14वें राष्ट्रपति चुने गए। उनके राष्ट्रपति बनने के बाद, उन्होंने देश के सबसे उच्च संवैधानिक पद पर रहते हुए जनहित और सामाजिक कल्याण के मुद्दों पर काम किया।
राम नाथ कोविंद का जीवन प्रेरणा देता है कि एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाला व्यक्ति भी मेहनत, समर्पण और लगन से देश के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। उनकी विनम्रता और सरल व्यक्तित्व ने उन्हें पूरे देश का प्रिय नेता बना दिया।

एक जवाबदेह चुनावी घोषणा पत्र की दरकार

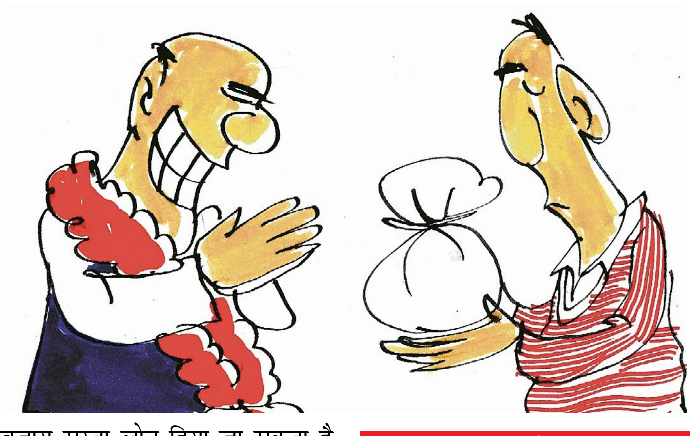

नरेश कौशल

देश में आम चुनावों के बाद हो रहे विधानसभा चुनावों में एक बार फिर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का खेल जोर-शोर से चल रहा है। जनता में राजनीतिक दलों की घटती साख और रीति-नीतियों के प्रति जनता में उपजे अविश्वास के बीच राजनेता मुफ्त का खतरनाक खेल खेल रहे हैं। वे लोकलुभावन का शॉर्टकट रास्ता अख्तियार कर रहे हैं। वे मुफ्त का चंदन घिस मेरे नंदन की कहावत को अपना रहे हैं। उन्हें पता है कि मुफ्त के माल का पैसा कौन-सा उनकी जेब से जा रहा है। बोझ तो सरकारी खजाने पर पड़ेगा। दुर्भाग्य से देश में ऐसी कोई नियामक व्यवस्था नहीं बन पायी कि मुफ्त की रेवड़ियों के खर्च की जवाबदेही नेताओं व राजनीतिक दलों के लिये तय की जा सके। चुनाव आयोग भी इस घातक रिवाज पर रोक लगाने में विफल ही लगता है। हकीकत यह है कि जब तक हम जनता को जागरूक नहीं करेंगे और जनता ही नेताओं पर दबाव नहीं बनाएगी, तब तक मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का यह खेल यूं ही चलता रहेगा। वैसे हकीकत यह है कि जब तक जनता जागरूक नहीं होगी, राजनीतिक दलों के मुफ्त के वादों के घोषणापत्रों पर लगाम नहीं लगेगी। यह एक हकीकत है कि सरकारों व राजनीतिक दलों के तमाम थोथे दावों के बावजूद हम देश के अधिसंख्य नागरिकों को राजनीतिक रूप से इतना सजग-सचेत नहीं कर पाए हैं कि वे मुफ्त के प्रलोभनों, जाति, धर्म व क्षेत्रीयता की संकीर्णताओं से उठकर मतदान कर सकें। यदि देश का अधिसंख्य मतदाता राजनीतिक रूप से जागरूक होता तो मुफ्त की रेवड़ियों को वह ठुकरा देता। हकीकत में जागरूक नागरिकों व लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग स्वयंसेवी संस्थाओं को सर्वप्रथम किसी भी राज्य या देश के मौजूदा बजट का आकलन करना होगा। यह कि राज्य को किन-किन स्रोतों से राजस्व प्राप्त हो रहा है। कितना ऋण राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से लिया गया है। राज्य पर कुल ऋण का कितना बोझ है। उस पर कितना ब्याज लगातार राज्य को देना पड़ रहा है। यह सब राजनीतिक दलों व नेताओं को जनता को बताना होगा। मतदाताओं को अहसास कराना होगा कि उसके पास कितनी चादर है और उसे कितने पैर पसारने होंगे। एक बात तो तय है कि देश-प्रदेश के आर्थिक स्वास्थ्य के हित में हर हाल में लोकलुभावन घोषणाओं और मुफ्त की रेवड़ियों का प्रचलन बंद करना ही होगा। मतदाताओं में राष्ट्र और प्रदेश पहले है, की भावना जाग्रत करनी होगी। वहीं दूसरी ओर मुफ्त में राशन बांटकर जनता को सरकार पर आश्रित बनाये रखने की नीति बदलनी होगी ताकि लोग नाकारा होकर न रह जाएं। लोगों को सरकारी बैसाखी देने के बजाय उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने लायक बनाया जाए। उन्हें मुफ्त राशन देने के बजाय सस्ता लोन दिया जा सकता है ताकि वे अपना काम धंधा शुरू करके आत्मनिर्भर हो सकें। यह लोककल्याण स्थायी होगा और बहुत संभव है कि यदि ऋण लेने से वे कोई काम-धंधा चला सकें तो दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। सरकार व राजनीतिक दलों को सरकारी कर्मचारियों व वेतनभोगियों को बजट की वास्तविक स्थिति से भी अवगत कराना होगा। होता यह है कि राज्य की वास्तविक आर्थिक स्थिति को जानते हुए भी कर्मचारी संगठन सुविधाओं को बढ़ाने के लिये आंदोलन करते रहते हैं। उन्हीं से राय लेनी होगी कि यदि उनके वेतन-भत्ते बढ़ाने हैं तो बजट में उस राशि की पूर्ति आय के किन स्रोतों से की जा सकती है। एक बात तो तय है कि निश्चित रूप से फ्री बिजली और पानी की नीति बंद करनी होगी। हां, शुद्ध पेयजल व शुद्ध पर्यावरण निःशुल्क पाना नागरिकों का अधिकार है। वहीं दूसरी ओर बजट में शिक्षा, जन स्वास्थ्य सेवाओं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का कल्याण, महिलाओं के उत्थान हेतु पौष्टिक आहार जुटाने तथा समाज व बाल कल्याण हेतु अधिकतम प्रावधान होना चाहिए। दूसरी ओर शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, आंगनवाड़ी केंद्रों, खेलकूद संस्थानों आदि के लिये प्राथमिक आधार पर बजट की दरकार रहेगी। शिक्षा के स्वरूप में एकरूपता होनी चाहिए। होना तो यह चाहिए कि सरकारी स्कूलों के शिक्षा का स्तर निजी स्कूलों से बेहतर, नहीं तो कम से कम उनके बराबर तो हो। आम आदमी सरकार ने दिल्ली में जिस शिक्षा नीति को लागू किया, उसके अच्छे परिणाम मिले हैं। इसी तरह मोहल्ला क्लीनिक के प्रयोग को भी सराहा गया है। एक आदर्श घोषणा पत्र में ऐसी सुविधाओं का प्रावधान तो होना ही चाहिए।
वहीं वोट जुटाने के लिये अवैध बस्तियों को वैध बनाने का जो दुर्भाग्यपूर्ण खेल शुरू हुआ है, उसका घातक असर नागरिक सेवाओं पर पड़ रहा है। जिन लोगों ने ईमानदारी से मेहनत की कमाई से कानूनी रूप से वैध मकान बनाए हैं और उसकी बड़ी कीमत चुकाई है, उन्हीं को इस संकट का सामना करना पड़ रहा है। अवैध रूप से बसायी गई इन बस्तियों के लिये बिजली, पानी, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधायें देने का नकारात्मक प्रभाव वैध बस्तियों के नागरिकों पर पड़ रहा है। जरूरतमंद नागरिकों हेतु छत या बस्ती बसाने के लिए योजनाबद्ध नीतियां बनायी जानी चाहिए।
इसके बावजूद यदि राजनीतिक दलों व नेताओं को कुछ मुफ्त बांटने की ज्यादा ही इच्छा हो तो वे अपने या पार्टी फंड से ऐसी व्यवस्था करें। साथ ही पार्टी फंड से जनकल्याण के बजट में योगदान करें। चुनाव के दौरान प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से अरबों रुपये जैसे पानी की तरह बहाये जाते हैं, यदि उसी धन को कमजोर वर्गों के कल्याण व नागरिक सुविधाएं सुधारने के लिये लगाया जाए तो जनता का ज्यादा भला होगा। अब वक्त आ गया है कि देश की जनता, जागरूक स्वयंसेवी संस्थाएं तथा राजनीतिक दल इस समस्या का सार्थक समाधान निकालें।

जीवन मंत्र

दृढ़ प्रण के साथ

लक्ष्य को पूर्णता की ओर ले जाने वाली और बाधाओं से पार लगाने की शक्ति मनुष्य के भीतर ही होती है, बाहर नहीं। जो कुछ करना नहीं चाहते, वे अक्सर यह कहते हैं कि करना तो हम बहुत कुछ चाहते हैं, पर भाग्य साथ नहीं देता।

अगर जीवन में प्रगति करना चाहते हैं, तो निर्भयता और मौलिकता के गुणों के साथ कुछ भी करके अपनी मंजिल को पाने का गुण भी स्वयं में पाल लें। कहते हैं कि इस गुण को आत्मसात करने के बाद जीवन में कुछ भी पाना मुश्किल नहीं रह जाता। लक्ष्य को पूर्णता की ओर ले जाने वाली और बाधाओं से पार लगाने की शक्ति मनुष्य के भीतर ही होती है, बाहर नहीं। जो कुछ करना नहीं चाहते, वे अक्सर यह कहते हैं कि करना तो हम बहुत कुछ चाहते हैं, पर भाग्य साथ नहीं देता। जिन्होंने महान कार्य किए हैं, वे लोग भाग्यशाली घरों में पैदा नहीं हुए थे, अपितु अपना भाग्य की रचना उन्होंने स्वयं की, जैसा कि वह चाहते थे। फुल्टन, माइकल, व्हिटने, फराडे, हार्वे, एडवर्ड, वेल इसके उदाहरण हैं। इन्होंने दृढ़ प्रण किया था कि हमारे रास्ते में चाहे कितनी भी बाधाएं आएं, कितनी ही कठिनाइयां आएं, हमें अपने उद्देश्य में सफलता प्राप्त करनी है, तो करके ही रहेंगे। दृढ़ निश्चय कर लिया, तो फिर पूरा भी किया। मिनेसोटा का गवर्नर बनने के बाद जॉन ए जॉनसन ने कहा, ‘मैं जिस कस्बे में पैदा हुआ था, उसी में मैंने सर्वोत्तम उन्नति करने का प्रण कर लिया था- अपनी दशा सुधारने और लोगों की दशा सुधारने के लिए। और मैंने यह अपने दृढ़ प्रण से करके भी दिखाया।’
आप भी जो पाना चाहते हैं या जो करना चाहते हैं, तो उसके लिए यह मत सोचिए कि कैसे? जब तक आप सोचेंगे कि मैं कैसे करूंगा, तब तक आप असफल रहेंगे, पर जब आप यह दृढ़ प्रण कर लेते हैं कि मुझे जो चाहिए, वह मैं हासिल करके ही रहूंगा, तो फिर समझिए कि मंजिल अब दूर नहीं।

प्रस्तुति: प्रवीण तिवारी, पूराबल नारायन

जीवन ऊर्जा | एस. डी. बर्मन : जन्म - 1 अक्टूबर, 1906 | जन्म

हर रचना अद्वितीय होनी चाहिए

एस. डी. बर्मन (सचिन देव बर्मन), जिनका जन्म 1 अक्टूबर, 1906 को बंगाल प्रेसीडेंसी (अब बांग्लादेश) के कोमिला में हुआ था, एक महान भारतीय संगीतकार और गायक थे। शास्त्रीय भारतीय धुनों के साथ लोक संगीत के मिश्रण के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने बॉलीवुड में कालजयी धुनों की रचना की। 31 अक्टूबर, 1975 को उनका निधन हो गया।

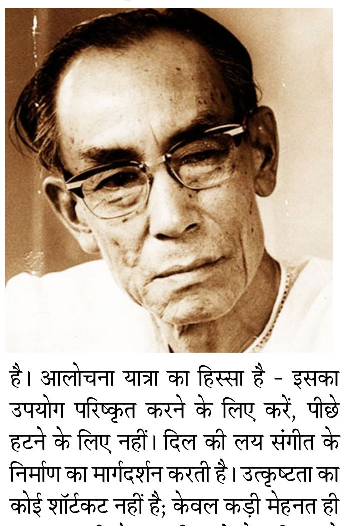

संगीत केवल ध्वनि नहीं है; यह आत्मा की आवाज़ है। संगीतकार का काम एक कलाकार की पेंटिंग की तरह होता है - हर नोट एक ब्रशस्ट्रोक होता है। सफलता तब मिलती है जब आप कड़ी मेहनत को जुनून के साथ मिलाते हैं। संगीत सभी क्षेत्रों के लोगों को ठीक कर सकता है, प्रेरित कर सकता है और उन्हें एकजुट कर सकता है। हर रचना अद्वितीय होनी चाहिए, क्योंकि मौलिकता कला की आत्मा है। धैर्य और दृढ़ता महानता की नींव हैं। सादगी में सुंदरता है, और सुंदरता में शांति है। रचनात्मक प्रक्रिया में कभी भी जल्दबाजी न करें; यह अपने समय पर सामने आती है। अलग होने से न डरें; इसी तरह आप अपनी छाप छोड़ते हैं। एक सच्चा कलाकार कभी सीखना बंद नहीं करता; हर दिन एक नया सबक लेकर आता है। आलोचना यात्रा का हिस्सा है - इसका उपयोग परिष्कृत करने के लिए करें, पीछे हटने के लिए नहीं। दिल की लय संगीत के निर्माण का मार्गदर्शन करती है। उत्कृष्टता का कोई शॉर्टकट नहीं है; केवल कड़ी मेहनत ही रास्ता बनाती है। अपनी जड़ों के प्रति सच्चे रहें, लेकिन प्रयोग करने से न डरें। सफलता क्षणभंगुर है, लेकिन अपने शिल्प के प्रति प्रेम शाश्वत है। जब शब्द विफल हो जाते हैं, तो संगीत सबसे ज़ोर से बोलता है। दूसरों के दिलों को छूने के लिए, आपको पहले अपने दिल को समझना चाहिए। जीवन और संगीत में, संतुलन महत्वपूर्ण है - एक को दूसरे पर हावी न होने दें। प्रसिद्धि कभी लक्ष्य नहीं होनी चाहिए; अपने शिल्प को परिपूर्ण करना लक्ष्य होना चाहिए। संगीत की कोई सीमा नहीं है - यह ऐसी भाषा बोलता है जिसे हर कोई समझता है। चुनौतियां बाधाएं नहीं, बल्कि आगे बढ़ने के लिए पत्थर हैं। अगर आप दिल से रचना करते हैं, तो आपका काम हमेशा दूसरों के साथ प्रतिध्वनित होगा। कला का उद्देश्य हमेशा प्रेरित करना और उत्थान करना होना चाहिए, न कि केवल मनोरंजन करना। एक संगीतकार की ज़िम्मेदारी नवाचार को अपनाते हुए परंपरा का सम्मान करना है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ की महिमा

(भाग 1)

जिन पापों की शुद्धि के लिए कोई उपाय नहीं, उनके लिए भगवान के सहस्त्रनामों का पाठ सर्वोत्तम उपाय माना जाता है। सहस्त्रनामों के पाठ से स्वाध्याय का व मंत्र-जप करने का पुण्य प्राप्त हो जाता है। साथ ही मनुष्य के सभी दुःख-दारिद्रय, ऋण आदि दूर हो जाते हैं।
सहस्त्रनाम का पाठ रोग हरने वाला, राज्यसुख देने वाला, पुत्र-पौत्र देने वाला, आयुप्रद और सभी मंगलों को देने वाला माना जाता है। सहस्त्रनाम के एक-एक अक्षर की महिमा का वर्णन नहीं किया जा सकता है। वैसे तो सभी देवताओं के सहस्त्रनाम का अति महत्व है; किन्तु सात्विकता की दृष्टि से विष्णु सहस्त्रनाम' के पाठ की विशेष महिमा है, क्योंकि भगवान विष्णु सत्गुण के अधिष्ठातृ देवता और संसार का पालन करने वाले हैं ।
वामन पुराण में कहा गया है

नारायणो नाम नरो नराणां
प्रसिद्धचौरः कथितः पृथिव्याम् ।
अनेकजन्मार्जित पापसंचयं
हरत्यशेषं श्रुतमात्र एव ।।

अर्थात पृथ्वी में नारायण नामरूपी नर प्रसिद्ध चोर कहा जाता है, क्योंकि वह कानों में प्रवेश करते ही मनुष्यों के अनेक जन्मार्जित पापों के सारे संचय को एकदम चुरा लेता है ।' विष्णु सहस्त्रनाम के चार स्वरूप उपलब्ध हैं।

- महाभारत अनुशासन पर्व के अध्याय १४९ में वर्णित सहस्त्रनाम-यह भीष्म पितामह द्वारा धर्मराज युधिष्ठिर को बताया गया हैं ।
- पद्म पुराण (६।७२) में यह सहस्त्रनाम भगवान शिव ने पार्वती जी से कहा है और सबसे पुराना है ।
- स्कन्द पुराण के (५.१.७४) में-यह सहस्त्रनाम ब्रह्माजी ने देवताओं को सुनाया था।
- गरुड़ पुराण अध्याय १५ में यह भगवान श्रीहरि ने भगवान रुद्र को बताया था ।
- महाभारत के अनुशासन पर्व में भीष्मप्रोक्त 'विष्णु सहस्त्रनाम' विशेष प्रसिद्ध है यह द्वापर के अंत का है ।

विष्णु सहस्त्रनाम की महिमा बताते हुए भीष्म पितामह जब बाणों की शय्या पर थे तो उन्होंने धर्मराज युधिष्ठिर को धर्म के विभिन्न रहस्यों पर उपदेश दिया। युधिष्ठिर ने पितामह भीष्म से प्रश्न किया परम धर्म क्या है और किसका जप करने से मनुष्य जन्म-मरण रूपी संसार-बंधन से मुक्त हो जाता है ?'
इसका उत्तर देते हुए भीष्म पितामह कहते हैं। भगवान नारायण का दर्शन करते हुए शांति से विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना ही मनुष्य का परम धर्म है । मेरा नियम है कि विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ किए बिना मैंने कभी पानी भी नहीं पिया है।
एक बार युधिष्ठिर ने देखा कि भगवान श्रीकृष्ण पुलकित शरीर होकर ध्यान में बैठे हैं । ध्यान पूरा होने पर युधिष्ठिर ने श्रीकृष्ण से पूछा-'प्रभु सब लोग आपका ध्यान करते हैं, आप किसका ध्यान कर रहे थे। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा-'मेरा भक्त शरशय्या पर पड़ा मेरा ध्यान कर रहा है और मैं अपने उस प्रिय भक्त का ध्यान कर रहा था, मैं उनके साथ चला गया था। उसी विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ का ही चमत्कार था कि द्वारिकानाथ श्रीकृष्ण भीष्म पितामह को सद्गति देने आए । (क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

मन

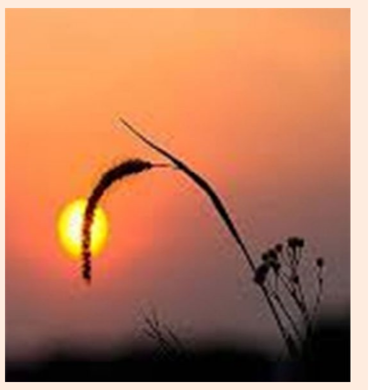

सुबह होते ही, एक भिखारी नरेन्द्रसिंह के घर पर भिक्षा मांगने के लिए पहुँच गया। भिखारी ने दरवाजा खटखटाया, नरेन्द्रसिंह बाहर आये पर उनकी जेब में देने के लिए कुछ न निकला। वे कुछ दुखी होकर घर के अंदर गए और एक बर्तन उठाकर भिखारी को दे दिया। भिखारी के जाने के थोड़ी देर बाद ही वहां नरेन्द्रसिंह की पत्नी आई और बर्तन न पाकर चिल्लाने लगी- “अरे! क्या कर दिया आपने चांदी का बर्तन भिखारी को दे दिया। दौड़ो-दौड़ो और उसे वापिस लेकर आओ।”
नरेन्द्रसिंह दौड़ते हुए गए और भिखारी को रोककर कहा- “भाई मेरी पत्नी ने मुझे जानकारी दी है कि यह गिलास चांदी का है, कृपया इसे सस्ते में मत बेच दीजियेगा। ”
वहीँ पर खड़े नरेन्द्रसिंह के एक मित्र ने उससे पूछा- मित्र! जब आपको पता चल गया था कि ये गिलास चांदी का है तो भी उसे गिलास क्यों ले जाने दिया?”
नरेन्द्रसिंह ने मुस्कुराते हुए कहा- “मन को इस बात का अभ्यस्त बनाने के लिए कि वह बड़ी से बड़ी हानि में भी कभी दुखी और निराश न हो!”
शिक्षा– मन को कभी भी निराश न होने दें, बड़ी से बड़ी हानि में भी प्रसन्न रहें। मन उदास हो गया तो आपके कार्य करने की गति धीमी हो जाएगी। इसलिए मन को हमेशा प्रसन्न रखने का प्रयास करें।

यह अखबार “माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. ” के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

द ग्रेट वुमन

जन्म तिथि 17 सितंबर से 22 सितंबर तक

नीलम रामअवध

इस लेख में हम उन महिलाओं के बारे में बताएंगे, जिन्होंने कई उपलब्धियां हासिल कर समाज के लिए अपना अहम योगदान दिया है। ये उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं जो अकेले अपने दम पर अपने सपने को पूरा करना चाहती हैं।

मानसी प्रधान

महिला अधिकार कार्यकर्ता

जन्म-04 अक्टूबर 1962,

मानसी प्रधान एक भारतीय महिला अधिकार कार्यकर्ता और लेखिका हैं, जिन्होंने महिलाओं के खिलाफ हिंसा समाप्त करने के लिए ₹ऑनर फॉर वीमेन नेशनल कैंपेन₹ की स्थापना की। उन्होंने सामाजिक बाधाओं को पार कर कानून की डिग्री हासिल की और अपने क्षेत्र की पहली महिला लॉ ग्रेजुएट बनीं। उन्हें 2014 में रानी लक्ष्मीबाई स्त्री शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया और 2017 में वेल्कर मीडिया ने उन्हें 12 सबसे शक्तिशाली नारीवादी परिवर्तन निर्माताओं में शामिल किया। उनकी प्रेरक जीवन कहानी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया और वृत्तचित्रों में दिखाया गया।

मधुमिता बिष्ट

बैडमिंटन खिलाड़ी

जन्म- 5 अक्टूबर, 1964, पश्चिम बंगाल

मधुमिता बिष्ट भारत की सबसे सफल बैडमिंटन खिलाड़ियों में से एक हैं। मधुमिता बिष्ट ने छोटी उम्र में ही खेलना शुरू कर दिया था और जल्द ही प्रसिद्धि पा ली। उन्होंने कई राष्ट्रीय खिताब जीते और ओलंपिक, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। मधुमिता आठ बार की राष्ट्रीय एकल चैंपियन हैं और उन्होंने कई युगल खिताब भी जीते हैं। उनकी लगन और प्रतिभा ने उन्हें महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए एक आदर्श बनने में मदद की। सेवानिवृत्त होने के बाद, उन्होंने युवा खिलाड़ियों को कोचिंग देकर खेल में योगदान देना जारी रखा। उनकी उपलब्धियों के सम्मान में मधुमिता बिष्ट को प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो भारतीय बैडमिंटन में उनके महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है।

पनाबाका लक्ष्मी

राजनीतिज्ञ

जन्म- 6 अक्टूबर, 1958, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश

पनाबाका लक्ष्मी एक भारतीय राजनीतिज्ञ हैं। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्य रही हैं और उन्होंने लोकसभा में बापटला और तिरुपति निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और बाद में कपड़ा के लिए राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। लक्ष्मी ने अपने राजनीतिक जीवन के दौरान ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य देखभाल और महिला कल्याण में योगदान दिया है। सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों को संबोधित करने और वंचित समुदायों की बेहतरी की दिशा में काम करने के उनके प्रयासों को मान्यता मिली है। वह आंध्र प्रदेश में एक प्रभावशाली राजनीतिक शख्सियत बनी हुई हैं।

अश्विनी भिड़े-देशपांडे

शास्त्रीय गायिका

जन्म- 07 अक्टूबर 1960, मुंबई

अश्विनी भिड़े-देशपांडे जयपुर-अतरौली घराने की एक प्रसिद्ध हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायिका हैं। रागों की गहरी समझ के लिए जानी जाने वाली अश्विनी अपने प्रदर्शन में परंपरा और नवीनता का मिश्रण करती हैं। अश्विनी ने बायोकेमिस्ट्री में पीएचडी की है, और अपनी विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया है। ख्याल, ठुमरी और भजनों की उनकी प्रस्तुतियां बहुत सराही जाती हैं और उन्होंने भारत और विदेशों में प्रमुख संगीत समारोहों में प्रदर्शन किया है। उन्होंने कई एल्बम भी रिकॉर्ड किए हैं। जयपुर-अतरौली घराने की विरासत को संरक्षित करने और आधुनिक संवेदनाओं को अपनाने के प्रति अश्विनी का समर्पण उन्हें भारतीय शास्त्रीय संगीत की दुनिया में एक सम्मानित व्यक्ति बनाता है।

एनी बेसेंट

महिला अधिकार कार्यकर्ता

जन्म- 1 अक्टूबर 1847, क्लैफम टाउन, लंदन
निधन- 20 सितम्बर 1933

एनी बेसेंट एक ब्रिटिश समाज सुधारक, महिला अधिकार कार्यकर्ता और भारतीय स्वशासन की समर्थक थीं। लंदन में जन्मी, वह समाजवादी आंदोलनों और श्रमिकों के अधिकारों की लड़ाई में शामिल हो गईं। थियोसॉफी में उनकी रुचि उन्हें भारत ले गई, जहां वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति बन गईं। वह 1917 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष थीं। बेसेंट ने वाराणसी में सेंट्रल हिंदू कॉलेज की भी स्थापना की, जो बाद में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। अपने पूरे जीवन में, उन्होंने शिक्षा, समानता और स्वतंत्रता की वकालत की, जिससे ब्रिटिश और भारतीय समाज दोनों पर एक स्थायी प्रभाव पड़ा।

लीला रॉय

समाज सुधारक

जन्म- 02 अक्टूबर 1900, असम
निधन-11 जून 1970

लीला रॉय एक प्रमुख भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, नारीवादी और समाज सुधारक थीं। वह कम उम्र से ही स्वतंत्रता आंदोलन से गहराई से प्रभावित थीं। लीला कोलकाता के बेथ्यून कॉलेज से स्नातक करने वाली पहली महिलाओं में से एक थीं, और उन्होंने ब्रिटिश विरोधी प्रदर्शनों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने सुभाष चंद्र बोस के साथ मिलकर काम किया और फॉरवर्ड ब्लॉक की सदस्य थीं। लीला रॉय ने महिलाओं की शिक्षा पर जोर देते हुए लड़कियों के लिए कई स्कूल भी स्थापित किए। अपने पूरे जीवन में, उन्होंने सामाजिक न्याय, महिला अधिकारों और भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी। उनके योगदान ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक सुधार आंदोलनों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा।

रेणु बाला चानू

भारोत्तोलक

जन्म-2 अक्टूबर 1986

रेणु बाला चानू मणिपुर की एक प्रसिद्ध भारतीय भारोत्तोलक हैं। उन्होंने मेलबर्न में 2006 के राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की 58 किलोग्राम श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय पहचान बनाई। उन्होंने नई दिल्ली में 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में एक और स्वर्ण पदक हासिल करके अपनी सफलता जारी रखी। रेणु बाला की उपलब्धियों ने भारतीय भारोत्तोलन, विशेष रूप से महिला खेलों पर ध्यान आकर्षित किया। चोटों सहित चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, उनके समर्पण और प्रदर्शन ने भारत में कई युवा एथलीटों को प्रेरित किया है। उन्होंने देश में भारोत्तोलन के खेल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हैरियट टाइटलर

लेखिका, फोटोग्राफर और चित्रकार

जन्म- 3 अक्टूबर 1828, बहराइच, उत्तर प्रदेश
निधन- 24 नवंबर 1907

हैरियट टाइटलर एक ब्रिटिश लेखिका, फोटोग्राफर और चित्रकार थीं, जिन्हें 1857 के भारतीय विद्रोह के बारे में अपनी प्रत्यक्ष जानकारी के लिए जाना जाता है। भारत में जन्मी, उन्होंने ब्रिटिश सेना अधिकारी रॉबर्ट टाइटलर से विवाह किया। हैरियट ने विद्रोह के दौरान दिल्ली की घेराबंदी का दस्तावेजीकरण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने अपने अनुभवों को एन इंग्लिश वुमन इन इंडिया में कैद किया, जो ब्रिटिश भारत में जीवन का एक जीवंत वर्णन प्रदान करता है। एक प्रतिभाशाली फोटोग्राफर, उन्होंने भारत में पहला फोटोग्राफिक स्टूडियो स्थापित करने में मदद की। हैरियट शिक्षा और महिला अधिकारों के बारे में भी भावुक थीं, और उन्होंने अपने बाद के वर्षों में भारत में महिलाओं की स्थिति में सुधार करने के लिए काम किया।

बालों को बनाएं सिल्क से भी सॉफ्ट

सॉफ्ट और सिल्की बाल किसे पसंद नहीं होते? सिल्की बाल न केवल सुंदर दिखते हैं, बल्कि छूने में भी बहुत अच्छे लगते हैं। हालांकि स्मूद और शाइनी बाल पाना किसी चुनौती से कम नहीं लगता है, लेकिन यह जितना आप सोचते हैं, उससे कहीं ज़्यादा आसान है! सही देखभाल और अपनी दिनचर्या में कुछ आसान बदलावों के साथ, आप रूखे, बेजान बालों को स्मूद, सिल्की बालों में बदल सकते हैं। इसके लिए महंगे सैलून ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं है - घर पर ही कुछ आसान उपाय आपके बालों को पहले से ज़्यादा स्वस्थ और सुंदर बना सकते हैं!!

◆ सौम्य शैम्पू का इस्तेमाल करें

सबसे पहले सौम्य, सल्फेट-मुक्त शैम्पू का इस्तेमाल करें। कई शैंपू में सल्फेट जैसे कठोर रसायन होते हैं, जो बालों से प्राकृतिक तेल निकाल लेते हैं, जिससे बाल रूखे और खुरदरे हो जाते हैं। ऐसा शैम्पू चुनें जो आपके बालों और स्कैल्प पर सौम्य हो और बालों को ज़्यादा रूखा होने से बचाने के लिए हफ़्ते में दो से तीन बार अपने बालों को धोएं। बहुत ज़्यादा गर्म पानी का इस्तेमाल करने से बचें, क्योंकि इससे आपके बाल रूखे हो सकते हैं।

◆ नियमित रूप से कंडीशन करें

अपने बालों को सिल्की बनाने के लिए कंडीशन करना ज़रूरी है। शैम्पू करने के बाद, हमेशा अपने बालों के प्रकार के हिसाब से कंडीशनर का इस्तेमाल करें। एक अच्छा कंडीशनर नमी को लॉक करने और बालों के क्यूटिकल्स को चिकना करने में मदद करता है, जिससे आपके बाल सिल्की बनावट वाले बनते हैं। ठंडे पानी से धोने से पहले कंडीशनर को कुछ मिनट के लिए लगा रहने दें। ठंडा पानी बालों के क्यूटिकल्स को सील करने में मदद करता है, जिससे आपके बाल चमकदार और चिकने बनते हैं।

◆ बालों में तेल लगाएं

नारियल का तेल, जैतून का तेल और आर्गन तेल जैसे प्राकृतिक तेल आपके बालों के लिए चमत्कार कर सकते हैं। ये तेल बालों को गहराई से पोषण देते हैं, नमी और चमक प्रदान करते हैं। आप सप्ताह में एक या दो बार अपने बालों में तेल लगा सकते हैं। अपने स्कैल्प और बालों में तेल की मालिश करें, इसे कुछ घंटों या रात भर के लिए लगा रहने दें और फिर हल्के शैम्पू से धो लें। नियमित रूप से तेल लगाने की यह दिनचर्या समय के साथ बालों को मुलायम और सिल्की बनाने में मदद करती है।

चांद की रौशनी में दमक

करवा चौथ पर दिखे चमकती त्वचा की झलक

करवा चौथ प्यार और परंपरा का एक खूबसूरत त्यौहार है, जिसमें महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं, खूबसूरत कपड़े, मेहंदी और चमकती त्वचा के साथ जश्न मनाती हैं। इस खास दिन की तैयारी करते समय, क्यों न 10 दिन पहले स्किन केयर रूटीन पर ध्यान दें ताकि आपके दमकते हुए चेहरे पर से पति की नजर न हटे? कुछ आसान और प्राकृतिक उपायों से आप बिना ज़्यादा मेहनत किए अपनी त्वचा में निखार ला सकती हैं। तो फिर इस करवा चौथ पर पहले से कहीं ज़्यादा चमकने के लिए तैयार हो जाइए और अपनी बेदाग, चमकती त्वचा से सबका ध्यान अपनी ओर खींचिए।

दिन 1-3: साफ करें, एक्सफोलिएट करें और मॉइस्चराइज़ करें

रोज़ाना दो बार साफ करें: अपने चेहरे को दिन में दो बार साफ करके शुरू करें - सुबह और रात। अपनी त्वचा के प्रकार (तैलीय, शुष्क या मिश्रित) के अनुकूल सौम्य फेस वॉश का उपयोग करें। सफाई करने से गंदगी, तेल और मेकअप हटाने में मदद मिलती है, जिससे आपकी त्वचा तरोताज़ा रहती है।

हर दूसरे दिन एक्सफोलिएट करें: मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने के लिए हर दूसरे दिन अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट करें। अपनी त्वचा को गोलाकार गति में धीरे से रगड़ने के लिए बारीक कणों वाले हल्के स्क्रब का उपयोग करें। यह आपकी त्वचा की बनावट को बेहतर बनाने और इसे चिकना बनाने में मदद करेगा।

रोज़ाना मॉइस्चराइज़ करें: अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए मॉइस्चराइज़ करना महत्वपूर्ण है। अपनी त्वचा के प्रकार से मेल खाने वाले मॉइस्चराइज़र का उपयोग करें। अगर आपकी त्वचा रूखी है, तो गाढ़ी क्रीम का उपयोग करें; अगर आपकी त्वचा तैलीय है, तो हल्के जेल-आधारित मॉइस्चराइज़र का उपयोग करें।

दिन 4-6: हाइड्रेशन और मास्क

अपनी त्वचा को हाइड्रेट करें: खूब सारा पानी पिएं, दिन में कम से कम 8-10 गिलास। हाइड्रेटेड त्वचा कोमल और स्वस्थ दिखती है। आप अपनी त्वचा को अंदर से हाइड्रेट रखने के लिए नारियल पानी, ग्रीन टी और ताजे जूस भी शामिल कर सकते हैं।

हाइड्रेटिंग मास्क का उपयोग करें: इन दिनों में दो बार हाइड्रेटिंग फेस मास्क लगाएं। आप शहद और दही, या खीरा और एलोवेरा जैसे रेडीमेड मास्क या DIY मास्क का उपयोग कर सकते हैं। ये तत्व त्वचा को आराम और पोषण देते हैं।

गुलाब जल लगाएं: गुलाब जल त्वचा को तरोताजा करने के लिए बहुत अच्छा है। इसे अपने चेहरे पर स्प्रे करें या मॉइस्चराइज़र से पहले टोनर के रूप में उपयोग करें। यह त्वचा के पीएच संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है और एक प्राकृतिक चमक देता है।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष: आज दूरस्थ क्षेत्र की यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृष: आज जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है।

मिथुन: सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

कर्क: आज शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह: व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या: आज अचानक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा।

तुला: आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृश्चिक: कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। नई आर्थिक नीति बनेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

धनु: कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें।

मकर: अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है।

कुंभ: आज कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कष्ट, भय, चिता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है।

मीन: आज भूमि-भवन का लाभ प्राप्त होगा। व्यावसायिक दुकान या फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

नौकरी का योग जाने कब तक सफल हो सकते हैं अपने हस्तरेखा से

विऔर शायद इसलिए लाखों युवा हर साल अपने सपने को साकार भी कर पाते है

लेकिन कही-कही बहुत से युवा कठिन परिश्रम के बाद भी सरकारी नौकरी पाने में असमर्थ रहते हैं।

कठिन परिश्रम के बाद भी सरकारी नौकरी नही पाने का कारण कुछ लोग अपने हाथ की रेखाओं को भी मानते हैं और ये कुछ हद तक सत्य भी है।

जीवन में सफल होने के लिए कठिन परिश्रम के साथ-साथ भाग्य का भी होता है लेकिन इसमें सभी लोग विश्वास नही करते हैं लेकिन शास्त्रविद को माने तो आपके जीवन में जो कुछ भी हो रहा है

वो आपकी हाथों की रेखाओं से सम्बंधित है तो आप कह सकते हो कि सरकारी नौकरी पाने में हस्तरेखा का भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान है।

इस रेखा से मिलती है सरकारी नौकरी

हस्तरेखा विज्ञान में सरकारी नौकरी पाने के बहुत से पहलुओं के बारे में बताया है लेकिन वृहस्पति (Jupiter) एक सबसे महत्वपूर्ण हाथ की रेखा है

जिसके कारण लोग सरकारी नौकरी पाने में सफल हो जाते हैं। हालांकि ये सब एक आदमी की सोच पर भी निर्भर करता है अगर आप हस्तरेखा विज्ञान में विश्वास करते है तो इस लेख को अंत तक जरूर पढ़ें।

प्रियंका जैन
9769994439

अगर आपके हाथ पर जीवन रेखा सीधा बृहस्पति के तरह जारी है और तर्जनी के पास रुकती है तो यह रेखा सरकारी नौकरी पाने एक अच्छा निर्देश देती है।

गुरु पर्वत से निकलने वाली रेखा जो जीवन रेख को सिर के तरह से जोड़ती है, भी एक सरकारी नौकरी पाने वालों लोगो के हाथों में पायी जाती है। हालांकि बहुत से लोग ऐसे भी हैं जिनके हाथों में ये रेखायें नही हैं लेकिन वे सरकारी नौकरी पाने में सक्षम रहे हैं, ऐसे लोग हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार अपवाद माने जा सकते हैं।

क्या होता है वृहस्पति (Jupiter)?

वृहस्पति, एक व्यक्ति के सफलता, धन और सम्पति, नाम, धर्म और आध्यात्मिकता और सुख को दर्शाती है। जिस व्यक्ति के हाथ में यह रेखा पायी जाती है, वे बहुत भाग्यशाली माना जाता है।

हम आशा करते हैं कि आपको हमारे द्वारा दी गई यह जानकारी पसन्द आई होगी, ऐसे ही अपनी सफलता और सरकारी नौकरी से सम्बंधित सभी प्रकार की जानकारी के लिए हमारी आधिकारिक वेबसाइट Sarkari Alert को विजिट करें।

और अधिक जानकारी हस्तरेखा से जुड़ा हुआ परामर्श सलाह या आपके हस्तरेखा में कोई विशेष चिन्ह या निशान बन रहे हैं या आप सरकारी जॉब नौकरी या अन्य किसी भी

ख़बर संक्षेप

घर के पीछे दो साल के बेटे के साथ मां ने लगाया फंदा, मौत

अलवर। खैरथल तिजारा जिले के कोटकासिम थाना क्षेत्र स्थित बघाना गांव में एक विवाहिता ने अपने दो साल के बेटे के साथ फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। पांच साल पहले महिला की शादी हुई थी। थाना अधिकारी नंदलाल सिंह जांगिड़ ने बताया कि रविवार रात सूचना मिली कि कोटकासिम से पांच किलोमीटर दूर बघाना गांव में ममता (25) पत्नी अमित ने अपने दो साल के बेटे लव्यांश के साथ फंदा लगाकर सुसाइड कर ली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस शवों को नीचे उतारा और कोटकासिम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। इसके बाद हरियाणा के बावल जिले के पनवाड़ गांव में महिला के पीहर पक्ष को सूचना दी गई। महिला के देवर रविंद्र ने बताया कि उसकी भाभी ममता और भतीजा लव्यांश रविवार रात आठ बजे से घर में नहीं दिखे। इसके बाद परिजनों ने मिलकर उनकी तलाश शुरू की। रात एक बजे वह अपने घर के पीछे बने तूडे के छप्पर में गया तो उसे भाभी और भतीजा दोनों फंदे से लटके मिले। जिस पर फौरन कोटकासिम पुलिस को सूचना दी गई।

खाना खाने के बाद सरकारी टीचर की हालत बिगड़ी, हॉस्पिटल में तोड़ा दम

बाड़मेर। शहर के नेहरू नगर इलाके में सरकारी स्कूल की महिला टीचर की तबीयत रविवार रात अचानक बिगड़ गई। खाना खाकर वह पति के साथ मोबाइल देख रही थी। अचानक उसे हिचकियां आने लगीं। पति हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

परीक्षा रद्द करने की मांग लेकर सैंकड़ो की संख्या में अभ्यर्थी पहुंचे JSSC कार्यालय

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ली गई सीजीएल की परीक्षा का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। एक बार फिर पेपर लीक होने का आरोप लगा अभ्यर्थी छात्र संघ के तत्वावधान में सैकड़ों की संख्या में अभ्यर्थी चयन आयोग के नामकुम कार्यालय पहुंचे एवं विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अभ्यर्थी सीजीएल की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन को देखते हुए जिला प्रशासन भी पूरी तैयारी में है। प्रशासन के द्वारा चयन आयोग कार्यालय के मुख्य गेट पर दो लेयर बैरिकेडिंग की है। स्थानीय पुलिस के अलावा काफी संख्या में जिला बल के जवान तैनात हैं। कार्यालय के आसपास के मुख्य सड़कों पर भी बैरिकेडिंग की है। मौके पर ब्रज वाहन एवं पानी के बौछार के लिए दमकल की टीम भी मुस्तैद है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। धीरे-धीरे विभिन्न राज्यों के अभ्यर्थी पहुंच रहे हैं। जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को रद्द कराने के लिए हजारीबाग से सैंकड़ों की संख्या में छात्र कोकर चौक होते हुए नामकुम गए।

नकली नोटों के सौदागर का इंटरनेशनल कनेक्शन

तलाशने कुशीनगर पहुंची एनआईए की टीम

एजेंसी । कुशीनगर

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में जाली नोटों का कारोबार करने वाले गिरोह के तह तक पहुंचने की कवायद में जुटी तीन सदस्यीय एनआईए की टीम तमकुहीराज कस्बा पहुंची। टीम के एक सदस्य थाने नहीं आकर घटना की वास्तविक जानकारी के लिए क्षेत्र में निकल गए। जबकि, एनआईए के दो सदस्य थाने पहुंच कर सुबह 11 बजे से 3 बजे तक पूछताछ एवं जानकारी जुटाई। कुशीनगर जिले में नकली नोटों के सौदागरों की अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन और उनकी कुंडली को खंगालने की कोशिश हो रही है। एनआईए की तीन सदस्यीय टीम तमकुहीराज थाना क्षेत्र के घटनास्थल का जायजा लिया। रविवार को थाना तमकुहीराज पहुंचकर चार घंटे तक पकड़े गए लोगों की आपराधिक पृष्ठभूमि की कुरेदी। सभी जांच-पड़ताल को अति गोपनीय रखा गया। सूत्रों की माने तो जांच में कई आश्चर्यचकित करने वाले तथ्य भी सामने आ रहे है। फिलहाल जांच एजेंसियों की पैनी निगाह नकली करेंसी का मुख्य जद में लेकर काम कर रही है।

नेपाल कनेक्शन की जांच

रविवार को तमकुहीराज थाने पहुंची एनआईए की टीम ने जाली करेंसी एवं अवैध हथियार के मामले में नेपाल कनेक्शन को लेकर जांच पड़ताल में जुटी हुई है। दो दिन पूर्व कस्बा पहुंची एटीएस की टीम ने घटना को लेकर जांच-पड़ताल की और इसके बाद वापस चली गई। घटना में विदेशी कनेक्शन को लेकर जांच में जुटी एनआईए की टीम क्षेत्र में सक्रिय हो गई है। एनआईए टीम तमकुही राज थाने पहुंच कर घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी संबंधित पुलिस अधिकारियों से रविवार को सुबह 11 बजे से शाम 3 बजे तक लिया। इस दौरान उन्होंने घटना से जुड़े विभिन्न बिंदुओं से जानकारी एसओ और सीओ से लेकर शाम को अपने निजी वाहन से वापस चली गई।

एनआईए की रडार में कुछ सफेदपोश

पुलिस सूत्रों ने बताया कि एनआईए टीम के एक सदस्य थाने नहीं आकर घटना की जांच पड़ताल को लेकर क्षेत्र में है। जानकारों की मानें तो एनआईए की टीम की रडार पर क्षेत्र के कुछ गणमान्य सफेदपोश शामिल है। इनका नेटवर्क देश विरोधी कार्यों में शामिल लोगों से है। एनआइए टीम की जांच से वैसे लोग बेनकाब साबित होकर सलाखों के पीछे होंगे।

पूर्वांचल में हर दिन बिक रहा 10 टन हानिकारक चीन का लहसुन

देसी से कम कीमत पर बेच रहे दुकानदार

एजेंसी । वाराणसी

पहड़िया मंडी से लेकर बाजारों में हानिकारक चीन का लहसुन बिक रहा है। पूर्वांचल में प्रतिदिन 10 टन की खपत है। नेपाल के जरिये ट्रेनों और सड़क मार्ग से इसे मंगाया जाता है। व्यापारी चीन का लहसुन 60 रुपये किलो खरीदकर 160 रुपये किलो दुकानदारों को बेच देते हैं। यह लहसुन देसी लहसुन से 50 रुपये कम कीमत पर मिल रहा है। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के बावजूद खाद्य सुरक्षा औषधि विभाग इससे अंजान बना है।

ये है चीन का लहसुन

चाइनीज लहसुन कैमिकल्स के इस्तेमाल से बनता है। इसमें सिंथेटिक प्रोसेस का इस्तेमाल होता है। इसलिए, यह एकदम सफेद, साफ और चमकदार होता है। इसके विपरीत देसी लहसुन कुछ क्रीम या पीलापन लिए हुए होता है। चीन के लहसुन को काटने पर इसमें गंध बेहद कम आती है।

नेपाल के रास्ते आयात

नेपाल के रास्ते चीन का लहसुन मंगाया जा रहा है। पीडीडीयूनगर स्टेशन से होकर आने वाली सीमांचल एक्सप्रेस से चीन के लहसुन की तस्करी की जा रही है। इसके अलावा मालवाहक वाहनों से गाजीपुर, चंदौली, पीडीडीयूनगर, पड़ाव रामनगर समेत तय स्थानों तक पहुंचाया जा रहा है। कस्टम विभाग की ओर से चीन के लहसुन पर काबू करने का प्रयास किया जा रहा है। बावजूद शहर में खुलेआम चीन के लहसुन की बिक्री हो रही है। विशेश्वरगंज, खोजवां, पांडेयपुर, कचहरी, चेतगंज, सिगरा और सुंदरपुर क्षेत्र में खुलेआम बिक्री हो रही है। शहर में रोजाना 20 से 25 क्विंटल चीन के लहसुन की खपत है। यह लहसुन थोक में 50 से 60 रुपये किलो और फुटकर में 260 रुपये किलो है। देसी लहसुन का भाव इस समय 280 से 300 रुपये किलो है। सब्जी फल व्यापारी आढ़ती जन कल्याण समिति के अध्यक्ष धनंजय मौर्य ने बताया कि चीन के लहसुन पर रोक लगनी चाहिए। मंडी सचिव को अवगत कराते हुए चोरी छिपे चीन के लहसुन का कारोबार करने वाले व्यापारियों के लाइसेंस रद्द कराए जाएंगे। यह लहसुन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और प्रतिबंधित है।

होटल, ढाबों और स्ट्रीट फूड वाले खपा रहे चीन का लहसुन

देसी लहसुन की अपेक्षा सस्ता होने के कारण ज्यादातर होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट वाले चीनी लहसुन का उपयोग कर रहे हैं। विशेश्वरगंज मंडी के एक व्यापारी ने बताया कि चीन का लहसुन सस्ता होने से मांग अधिक है।

घर में घुसा बेकाबू ट्रक

एक की मौत, तीन घायल: लोगों ने की तोड़फोड़

पुलिस छावनी में तब्दील हुआ इलाका

एजेंसी । मिर्जापुर

मिर्जापुर जिले के चौसा मोड़ पर सोमवार को एक अनियंत्रित ट्रक पेड़ से टकराते हुए घर में जा घुसा। इसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि कई दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसमें राधेश्याम गुप्ता, राकेश कुमार गुप्ता, पप्पू गुप्ता, सुजीत मौर्य, गोविंद गुप्ता की दुकानें शामिल हैं। घटना के बाद लोगों ने सड़क जाम कर दिया। वहीं एक रोडवेज बस में तोड़फोड़ किया। इस दौरान कई यात्री घायल भी हो गए। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया। जिसके बाद जाम समाप्त हुआ। मौजूद प्रदर्शनकारियों को भगाया गया। फिलहाल मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है, शांति व्यवस्था स्थिर बनी हुई है।

मंदिर में पूजा करने से पहले नदी में नहाने गया अधेड़, डूबने से हुई मौत

मशक्कत के बाद निकाला गया शव

एजेंसी । मऊ

मऊ जिले के कोपागंज थाना क्षेत्र के बारह दुवारिया मंदिर नौसेमर में सोमवार को पूजा करने गए अधेड़ की नदी में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। मंदिर कमेटी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद अधेड़ का शव नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

यह है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार महेंद्र विश्वकर्मा (48) निवासी धवरियासाथ कुछ वर्षों से अपने परिवार के साथ नगर क्षेत्र के कोपा कोहना में घर बनवा कर रहता था। सोमवार को वह कोपा कोहना से नौसेमर स्थित बारह दुवारिया मंदिर में दर्शन करने गया था। इससे पहले वह नदी में नहाने के लिए गया। इसी दौरान वह नदी के तेज बहाव में बह गया। देखते ही देखते वह नदी में डूब गया। अधेड़ को डूबता देख आसपास के लोग शोर मचाने लगे। कुछ देर बाद ही वहां लोगों की भीड़ जुट गई।

800 से ज्यादा घरों में घुसा बाढ़ का पानी

एजेंसी । बगहा

रविवार की शाम अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत प्रखंड बगहा एक के चखनी रजवटिया से रतवल जाने वाली चंपारण तटबंध नेपाल के तराई क्षेत्रों में हो रही लगातार बारिश के साथ इधर लगातार भारी वर्षा होने के कारण गंडक का जलस्तर काफी बढ़ गया है। गंडक बराज से करीब 6 लाख क्यूसेक पानी को छोड़ा गया था जिसके कारण गंडक नदी में प्रलयकारी बाढ़ के कारण चंपारण तटबंध पर बना दबाव से अगस्तियां गांव स्थित दरोगा चौक पर तटबंध टूट गया। इस वजह से देखते ही देखते तीन पंचायतें में क्रमश सिंगाही पिपरिया, रतवल व सिसही पंचायत के करीब आठ सौ से अधिक परिवार के घरों में तीन से चार फीट पानी प्रवेश कर गया। बाढ़ के वजह से आम लोगों के साथ मवेशियों के ऊपर सामत आ पहुंची है। लोगों ने अपने बाल बच्चों व मवेशियों के साथ ऊंचे के साथ तटबंध पर शरण लिए है, वहीं अधिकांश मवेशी अभी पानी में घिरे हैं। पीड़ित परिवार रतभर रतजगा कर रात गुजारी। वहीं चंपारण तटबंध टूटने की सूचना मिलते ही रात्रि में जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय ने गंभीरता से लेते हुए टूटे तटबंध पहुंचे जहा एस डी एम बगहा गौरव कुमार एसपी सुशांत कुमार सरोज, एस डी पी ओ कुमार देवेंद्र , डी सी एल आर अंजेलिके कृति सीओ नर्मदा श्रीवास्तव थानाध्यक्ष संजीत कुमार समेत जल संसाधन विभाग के अभियंताओं के साथ तटबंध का निरीक्षण किया और स्थानीय जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों से तटबंध टूटने से संबंधित जानकारी ली।

एक और तटबंध टूटा, रातभर चला बचाव कार्य

पूर्व मंत्री राजा पीटर ने थामा जदयू का दामन

एजेंसी । रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मंत्री गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर ने जदयू का दामन थाम लिया। नयी दिल्ली स्थित जदयू के केंद्रीय कार्यालय में राजा पीटर को पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने प्राथमिक सदस्यता दिलायी। राजा पीटर तमाड़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे हैं और उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री रहे हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने का दौर जारी है। कुछ लोग पुरानी पार्टी में फिर से शामिल हो रहे हैं, तो कुछ लोग नयी पार्टी का दामन थाम रहे हैं। टिकट के लिए जोर-आजमाइश जारी है।

व्यापार जगत

दो ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

एजेंसी । नई दिल्ली

व्यापारी संगठन कैट (कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) दो नामचीन ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ देशभर में आंदोलन शुरू करेगा। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की ओर से बीते दिनों जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों कंपनियों ने प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन कर कथित तौर पर कुछ कंपनियों को फायदा पहुंचाया है। इसको लेकर व्यापारियों में आक्रोश है। व्यापारियों ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से ऐसी ई-कॉमर्स कंपनियों पर कार्रवाई करने की मांग भी की है। कैट के दिल्ली चैप्टर के महासचिव आशीष ग्रोवर ने बताया कि इसको लेकर आयोजित सम्मेलन में देशभर के अलग-अलग व्यापारिक संगठनों के 350 से ज्यादा व्यापारी नेता शामिल हुए। उन्होंने बताया कि सीसीआई रिपोर्ट में बताया गया है कि दोनों नामचीन ई-कॉमर्स कंपनियों ने भारी छूट देने, चुनिंदा विक्रेताओं को वरीयता देने समेत कई अन्य नियमों का उल्लंघन किया है। ई-कॉमर्स कंपनियां ऐसे तरीके अपना रही है जो प्रतिस्पर्धा के समान अवसरों को प्रभावित कर रहा है। इसकी वजह से लाखों व्यापारियों, खुदरा विक्रेताओं को नुकसान हो रहा है।

बाधाओं को दूर करने की जरूरत

इस सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री और कैट की सलाहकार स्मृति ईरानी भी शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में छोटे व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इनकी वर्तमान में भारतीय खुदरा बाजार में 90 फीसदी हिस्सेदारी है और देश के निर्यात में 45 फीसदी का योगदान देते हैं।

छोटे व्यापारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा

सम्मेलन में कैट से जुड़े व्यापारियों और अन्य छोटे व्यवसाय मालिकों की उन्नति के लिए नई पहल शुरू करने का भी निर्णय लिया गया। इसमें व्यापारियों को डिजिटल कौशल प्रशिक्षण दिए जाने, आधुनिक उपकरणों और संसाधनों का इस्तेमाल कर वर्तमान समय में बढ़ रही प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना शामिल है।

सेंसेक्स 1272 अंक गिरकर 84,299 पर बंद

- निफ्टी में भी 368 अंक की गिरावट रही
- ऑटो सेक्टर के शेयर्स सबसे ज्यादा गिरे

एजेंसी । मुंबई

महीने के आखिरी कारोबारी दिन 30 सितंबर को सेंसेक्स 1272 अंक की गिरावट के साथ 84,299 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 368 अंक की गिरावट रही, ये 25,810 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में गिरावट और 5 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 41 में गिरावट और 9 में तेजी रही। NSE के ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इससे पहले शुक्रवार यानी 27 सितंबर को शेयर बाजार ने लगातार 8वें दिन ऑल टाइम हाई बनाया था। सेंसेक्स ने 85,978 और निफ्टी ने 26,277 का रिकॉर्ड स्तर छुआ था।

बाजार में गिरावट के 3 प्रमुख कारण रहा

- ईरान और इजराइल के बीच युद्ध की आशंका के कारण ग्लोबल मार्केट में निगेटिव सेंटिमेंट है। इसी का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है।
- भारतीय शेयर बाजार के मौजूदा वैल्यूएशन बढ़े हुए हैं। खासकर मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में। बाजार में इस कारण आगे करेक्शन दिखने को मिल सकता है।
- अमेरिका में मंदी की आशंका बढ़ गई है, जिसके कारण पिछले कारोबारी दिन अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। इसका असर दुनियाभर के बाजारों में दिख रहा है।

सीबीडीटी ने ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समय-सीमा 7 अक्टूबर तक बढ़ाई

एजेंसी । नई दिल्ली

आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ा दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से जारी अधिसूचना में विभिन्न ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की तारीख 30 सितंबर से बढ़ाकर सात अक्टूबर कर दिया गया है।

ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की तारीख 30 सितंबर से बढ़ाकर 7 अक्टूबर किया

सीबीडीटी की ओर से रविवार को जारी एक अधिसूचना के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 के लिए विभिन्न ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की तारीख बढ़ा दी गई है। परिपत्र (सं. 10/2024, संदर्भ 225/205/2024-आईटीए-II) के अनुसार इन रिपोर्टों को दाखिल करने की समय-सीमा 30 सितंबर से बढ़ाकर 7 अक्टूबर, 2024 कर दी गई है। आयकर विभाग ने जारी बयान में कहा है कि आयकर अधिनियम के तहत विभिन्न ऑडिट रिपोर्ट को इलेक्ट्रॉनिक दाखिल करने में करदाताओं के समक्ष आ रही कठिनाइयों को देखते हुए सीबीडीटी ने ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की तारीख बढ़ाई है।

मनबा फाइनेंस का शेयर निर्गम मूल्य से 25 फीसदी उछलकर हुआ सूचीबद्ध

एजेंसी । नई दिल्ली

नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी मनबा फाइनेंस लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 120 रुपये से 25 फीसदी उछलकर सोमवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी ने करीब 151 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 114-120 रुपये प्रति शेयर तय किया था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से 25 फीसदी उछाल के साथ 150 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ है, जो बाद में 31.20 फीसदी चढ़कर 157.45 रुपये पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी का शेयर 20.3 फीसदी की उछाल उछाल के साथ 145 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो कारोबार के दौरान बाद में 26.87 फीसदी की बढ़त के साथ 152.25 रुपये पर पहुंच गया।

भारतपे ने अशनीर ग्रोवर के साथ किया समझौता

- दोनों पक्षों ने केस वापस लिया
- 2022 में विवादों के बाद छोड़नी पड़ी थी कंपनी

एजेंसी । मुंबई

फिनटेक कंपनी भारतपे ने अपने पूर्व को-फाउंडर अशनीर ग्रोवर के साथ विवादों पर शर्तों के साथ समझौता कर लिया है। शर्तों के तहत ग्रोवर कंपनी में किसी भी तरह से जुड़े नहीं रहेंगे और न ही उसकी शेयरहोल्डिंग का पार्ट होंगे। भारतपे ने सोमवार को एक ऑफिशियल बयान में कहा कि ग्रोवर के कुछ शेयर कंपनी के बेनिफिट के लिए 'रेसिलिएंट ग्रोथ ट्रस्ट' को ट्रांसफर किए जाएंगे और उनके बाकी बचे शेयरों को उनकी फैमिली ट्रस्ट मैनेज करेगी। भारतपे के बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने विवादों पर फाइल केस को आगे न बढ़ाने का फैसला किया है। हम ग्रोवर को शुभकामनाएं देते हैं। भारतपे अपने मर्चेंट्स और कस्टमर्स इंडस्ट्री में सबसे बेहतर सॉल्यूशन डिलिवर करने पर फोकस करते रहेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च 2022 में कंपनी ने ग्रोवर को कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर के पद से हटा दिया था, जिसके बाद दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की थी। समझौते के बाद अशनीर ग्रोवर ने अपने X हैंडल पर लिखा कि उन्हें मैनेजमेंट और बोर्ड पर पूरा भरोसा है, जो भारतपे को सही दिशा में आगे ले जाने में बेहतरीन काम कर रहे हैं। 'मैं कंपनी के ग्रोथ और सक्सेस के साथ जुड़ा हुआ हूं। मैं अब किसी भी कैपेसिटी में भारतपे से जुड़ा नहीं रहूंगा, न ही कैपिटल टेबल का हिस्सा रहूंगा। कंपनी में मेरे बचे हुए शेयरों का मैनेजमेंट मेरी फैमिली ट्रस्ट करेगा। दोनों पक्षों ने दायर मामलों को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। मुझे उम्मीद है कि भारतपे अपने सभी स्टेकहोल्डर्स के हित के लिए आगे बढ़ता रहेगा और सफल होता रहेगा।'

आईओए विवाद

ओलंपिक पदक विजेताओं की अनदेखी से उषा खफा

▶▶ वित्त समिति पर पेरिस ओलंपियनों की तैयारी के लिए कोष जारी करने से रोकने का आरोप

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने सोमवार को कहा कि यह 'बेहद चिंताजनक है कि कार्यकारी समिति के सदस्य ओलंपिक पदक विजेताओं को सम्मानित करने में विफल रहे। उन्होंने वित्त समिति पर पेरिस खेलों की भारतीय खिलाड़ियों की तैयारी के लिए निर्धारित कोष को जारी करने से रोकने का आरोप लगाया।

तैयारी अनुदान रोका

भारत ने पेरिस खेलों में छह पदक जीते लेकिन उषा ने कहा कि कार्यकारी समिति उनकी सफलता का जश्न नहीं मनाना चाहती। इससे वह बेहद दुखी हैं। उषा ने खुलासा किया कि ओलंपिक के लिए जाने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को दो लाख रुपये और प्रत्येक कोच को एक लाख रुपये का तैयारी अनुदान देने के प्रस्ताव को वित्त समिति, विशेषकर आईओए कोषाध्यक्ष सहदेव यादव ने रोक दिया। उन्होंने कहा, इस कोष को वितरित करने से इनकार करना खिलाड़ियों की आवश्यकताओं की समझ की कमी को दर्शाता है और उनकी तैयारी और देखभाल के प्रति पूर्ण उपेक्षा को दर्शाता है। पिछले नेतृत्व के कार्यों की ओर इशारा करते हुए उषा ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक के सात पदक विजेताओं के लिए कोविड-19 महामारी के बावजूद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था।

कर्तव्य निभाने में विफल

उषा ने कार्यकारी समिति के कुछ पूर्व सदस्यों, विशेषकर पूर्व खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए कहा, यह देखना निराशाजनक है कि पद पर बैठे अन्य लोग इस कर्तव्य को निभाने में विफल रहे हैं, खासकर वे जिन्होंने देश का प्रतिनिधित्व किया है। उषा ने कहा, आधिकारिक सम्मान समारोह में आईओए ने प्रत्येक व्यक्तिगत पदक विजेता को 50 लाख से एक करोड़ रुपये के बीच पुरस्कार देने की योजना बनाई थी जबकि कोच को 15 से 25 लाख रुपये देने की योजना थी। इन योजनाओं को लागू नहीं करके आईओए उन खिलाड़ियों को निराश कर रहा है जिन्होंने हमारे देश को गौरवांवित किया है। मैं कार्यकारी समिति से अपील करती हूं कि वे तुरंत कार्रवाई करे और सुनिश्चित करें के हमारे खिलाड़ियों को वे सम्मान और मान्यता मिले जिसमें वे हकदार हैं। शनिवार को कार्यकारी परिषद के 12 सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के वरिष्ठ अधिकारी जिरोम पोइवी को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि उषा 'मनमाने' तरीके से संगठन को चला रही हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी

भारत के पाक दौरे पर सरकार करेगी फैसला : शुक्ला

कानपुर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान के दौरे को लेकर अंतिम फैसला भारत सरकार को करना है। पाकिस्तान 19 फरवरी से 9 मार्च तक एकदिवसीय प्रारूप में खेले जाने वाले इस आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाला है।

2008 में हुए आतंकवादी हमलों के बाद कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं

मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमलों के बाद से भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ को द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। दोनों टीमों का सामना सिर्फ आईसीसी और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के टूर्नामेंटों में होता है। पाकिस्तान की टीम ने पिछले साल आईसीसी वनडे विश्व कप के लिए सात साल के अंतराल के बाद भारत का दौरा किया था।

अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया: शुक्ला

शुक्ला ने सोमवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ जारी दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन के खेल के इतर संवाददाताओं से कहा, अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

भारतीय निशानेबाज दो कांस्य पदक जीतकर शीर्ष पर

05 पदक अभी तक भारत इस टूर्नामेंट में जीत चुका है

02 स्वर्ण, तीन कांस्य भारतीय शूटरों में अब तक जीते

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय राइफल और पिस्टल निशानेबाजों ने पेरू के लीमा में जारी अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) की जूनियर विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर मिश्रित टीम स्पर्धाओं में दो कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता के दूसरे दिन सोमवार को कांस्य पदक जीतने के साथ ही भारत के पदकों की संख्या पांच हो गई जिनमें दो स्वर्ण और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

क्रोएशिया को हराया

राइफल निशानेबाजों के क्वालीफिकेशन दौर में गौतमी भनोट व अजय मलिक की भारतीय जोड़ी 628.9 का संयुक्त स्कोर बनाकर 34 टीमों में तीसरे स्थान पर रही। इसके बाद कांस्य पदक मुकाबले में भारतीय टीम ने क्रोएशिया को 17-9 से हराया। वहीं चीन ने फाइनल में फ्रांस को हराकर प्रतियोगिता का अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। इसी स्पर्धा में भारत के अभिनव साव व शाम्भवी क्षीरसागर की दूसरी जोड़ी 628.1 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रही। मिश्रित पिस्टल स्पर्धा में दोनों भारतीय जोड़ियां क्वालीफिकेशन में क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं। इससे उनके बीच कांस्य पदक के लिए मुकाबला खेल गया। इसमें लक्षिता व प्रमोद की जोड़ी ने कनिष्का डागर व मुकेश नेलावली की जोड़ी पर 16-8 से जीत दर्ज की। जर्मनी ने इस स्पर्धा का स्वर्ण जीता जबकि यूक्रेन को रजत पदक मिला। लक्षिता का यह प्रतियोगिता का दूसरा पदक था।

बाबर से बहुत आगे हैं कोहली : जहीर

शारजाह। पाकिस्तान के महान बल्लेबाज जहीर अब्बास का मानना है कि विराट कोहली और बाबर आजम के बीच तुलना बेबुनियाद है क्योंकि कोहली काफी आगे हैं। एक समय कोहली, केन विलियम्सन, स्टीव स्मिथ और जो रूट के साथ 'फैब फाइव का हिस्सा रहे बाबर अभी खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। अब्बास ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा, विराट कोहली हर मैच में रन बनाता है और बाबर किसी मैच में नहीं। आप कैसे तुलना कर सकते हैं। जो रन बनाता है, वही बड़ा खिलाड़ी है। कोहली 80 अंतरराष्ट्रीय शतक जमा चुके हैं जबकि उनसे काफी छोटे बाबर के नाम 31 अंतरराष्ट्रीय शतक ही हैं। अब्बास ने साथ ही कहा कि भारत ने विभिन्न प्रारूपों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और वह चैंपियंस ट्रॉफी में खिताब की प्रबल दावेदार टीम होगी। उन्होंने कहा, उनके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छा खेल रहे हैं। उनके पास बहुत अच्छा कप्तान है जो क्रिकेट को बखूबी समझता है।

चोटिल समित द्रविड़ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच से बाहर

चेन्नई। चोटिल समित भारत की अंडर 19 और ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 टीमों के बीच यहां सोमवार से शुरू हुए पहले चार दिवसीय मैच से बाहर हो गए हैं। उनके दूसरे मैच तक भी फिट होने की संभावना नहीं है। घुटने की चोट से जूझ रहे समित अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हैं। समित का पुडुच्चेरी में पदार्पण तय लग रहा था लेकिन वह तीन युवा वनडे मैच नहीं खेल सके। भारत ने सीरीज 3-0 से जीती। भारत के पूर्व कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित के पास यह अंडर 19 स्तर पर खेलने का आखिरी मौका है। वह 11 अक्तूबर को 19 साल के हो जाएंगे और आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 भी नहीं खेल सकेंगे। दूसरा चार दिवसीय मैच चेपॉक पर 7 अक्तूबर से खेला जाएगा।

एक सूत्र ने बताया, उसका एमआरआई स्कैन कराया गया। हम उसे चार दिवसीय मैच में उतारना चाहते थे लेकिन देखते हैं कि वह कितनी जल्दी फिट होता है।

कृति सैनन की 'दो पत्ती' को मिली रिलीज तारीख

अभिनेत्री कृति सैनन पिछले कुछ वक्त से अपनी आगामी फिल्म 'दो पत्ती' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह फिल्म इसलिए भी ज्यादा खास है, क्योंकि इसके जरिए कृति बतौर निर्माता बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। 'दो पत्ती' कृति के होम प्रोडक्शन 'ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स' की पहली फिल्म है। इस फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री काजोल भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। अब 'दो पत्ती' की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है।

'दो पत्ती' सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 25 अक्टूबर, 2024 से होने वाला है। फिल्म का पहला वीडियो भी सामने आ गया है, जिसमें काजोल और कृति की झलक दिख रही है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'अब होगा खेल शुरू, लेकिन इस कहानी के है दो पहलू।' 'दो पत्ती' के निर्देशन की कमान कनिका ढिल्लों ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।

'इमरजेंसी' के कुछ दृश्यों में होंगे बदलाव

अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी यह फिल्म 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) से प्रमाणपत्र न मिलने के मिलने के कारण ऐसा नहीं हो पाया। सेंसर बोर्ड ने कोर्ट को बताया कि कुछ दृश्यों में बदलाव किए जाने के बाद ही फिल्म रिलीज हो सकती है। अब खबर है कि कंगना ने सेंसर द्वारा सुझाए गए बदलावों पर सहमत हो गई हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

'इमरजेंसी' की रिलीज को लेकर आज यानी 30 सितंबर को बॉम्बे हाई कोर्ट में सुनवाई हुई, जहां सेंसर बोर्ड ने अदालत को बताया कि कंगना फिल्म के कुछ दृश्यों में बदलाव करने के लिए तैयार हो गई हैं। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, सेंसर बोर्ड ने कंगना को 'इमरजेंसी' में 13 बदलावों का सुझाव दिया है, जिसे लेकर आखिरकार अभिनेत्री ने सहमित जताई है। बदलाव के बाद ही रिलीज होने की मंजूरी दी जाएगी।

'सिकंदर' से जुड़ीं अंजिनी धवन

अभिनेता वरुण धवन की बहन और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर अंजिनी धवन इन दिनों अपनी डेब्यू फिल्म 'बिन्नी एंड फैमिली' को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 27 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन यह शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरसती नजर आ रही हैं। 'बिन्नी एंड फैमिली' की रिलीज के बाद अब अंजिनी की किस्मत चमक गई है। उनके हाथ बड़े सुपरस्टार की बहुचर्चित फिल्म लगी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' की स्टार कास्ट में अंजिनी शामिल हो गई हैं। फिल्म में एक अहम भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने अंजिनी से संपर्क किया है। उन्हें फिल्म की कहानी पसंद आ गई है और इसके लिए अभिनेत्री ने हामी भी भर दी है। कहा जा रहा है कि अंजिनी जल्द फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकती है। जल्द इस खबर का आधिकारिक ऐलान किया जाएगा।

'सिकंदर' के निर्देशन की कमान एआर मुरुगादॉस ने संभाली है, वहीं साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं। इस फिल्म में सलमान की जोड़ी दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।

तुषार कपूर का फेसबुक अकाउंट हुआ हैक

अभिनेता तुषार कपूर का फेसबुक अकाउंट हैक हो गया है। उन्होंने एक बयान जारी कर बयाता कि उनके सार्वजनिक और निजी फेसबुक अकाउंट हैक हो गए हैं और उनकी टीम इस समस्या को हल करने के लिए काम कर रही है। यही कारण है कि तुषार पिछले कुछ दिनों से फेसबुक पर सक्रिय नहीं थे। उन्होंने अपने प्रशंसकों के धैर्य रखने के लिए उनकी प्रशंसा की है और उनके समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया। तुषार ने लिखा, 'मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि मेरे सार्वजनिक और निजी दोनों फेसबुक अकाउंट से छेड़छाड़ की गई है, जिसके कारण मैं एक्टिव नहीं हूं। मेरी टीम और मैं स्थिति को हल करने और अकाउंट पर

नियंत्रण

पाने के लिए अपनी पूरी

कोशिश

कर रहे हैं। हम इस दौरान

आपके

धैर्य और समझ की सराहना

करते हैं

और जल्द ही आप सभी के साथ

फिर से

जुड़ने की उम्मीद करते हैं। आपके

निरंतर

समर्थन के लिए धन्यवाद।'

दो बजे दोपहर

न्यूज ब्रीफ

केजरीवाल और आतिशी के खिलाफ मानहानि केस में कार्यवाही पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी कर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ चल रहे आपराधिक मानहानि केस की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। केजरीवाल ने 8 दिसंबर 2018 को एक ट्वीट कर भाजपा पर अग्रवाल समाज के वोट काटने का आरोप लगाया था, जिसके बाद भाजपा नेता राजीव बब्बर ने केजरीवाल और AAP नेताओं के खिलाफ मानहानि का केस किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस और शिकायतकर्ता भाजपा नेता राजीव बब्बर को नोटिस जारी किया है और उनसे जवाब मांगा है। अरविंद केजरीवाल और आतिशी के खिलाफ मानहानि का मामला बीजेपी नेता राजीव बब्बर द्वारा दायर किया गया था। यह मामला केजरीवाल और आतिशी द्वारा अग्रवाल समाज के वोटरों के नाम बड़े पैमाने पर वोटिंग लिस्ट से काटने वाली कथित टिप्पणी से जुड़ा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में केजरीवाल और आतिशी को राहत देने से इनकार कर दिया था और उन्हें ट्रायल कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था। इसके बाद दोनों नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत देते हुए कार्यवाही पर रोक लगा दी है।

असम में बुलडोजर एक्शन पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को असम सरकार को एक नोटिस जारी कर 48 नागरिकों की तरफ से दायर अवमानना याचिका पर जवाब मांगा। याचिका में राज्य सरकार पर संरचनाओं को ध्वस्त करने के शीर्ष अदालत के आदेश का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार के अधिकारियों को अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का भी निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की बेंच ने मामले की सुनवाई की। बेंच ने असम सरकार को 21 दिनों में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए एक नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता के वकील हुजेफा अहमदी ने असम सरकार की कार्रवाई को 'शीर्ष अदालत के आदेश का उल्लंघन करार दिया। हालांकि, पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि असम सरकार द्वारा कोई तोड़फोड़ नहीं की गई है।

वायुसेना सात हजार किलोमीटर लंबी रैली निकालेगी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना की 92वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सात हजार किलोमीटर लंबी कार रैली निकाली जाएगी। यह रैली लद्दाख के थोइस से अरुणाचल प्रदेश के तवांग तक निकाली जाएगी। आठ अक्तूबर को थोइस से रैली शुरू होगी। उससे पहले मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से रैली को रवाना करेंगे। बताया गया है कि लद्दाख का थोइस वायु सेना स्टेशन समुद्र तल से 3068 मीटर ऊपर है जो दुनिया के सबसे ऊंचे वायु सेना स्टेशनों में से एक है। इस रैली का समापन 29 अक्तूबर को तवांग में होगा। इस रैली का लक्ष्य वायुसेना के गौरवशाली इतिहास, युद्धों और बचाव अभियानों में वायु योद्धाओं की वीरता के बारे में जागरूकता को बढ़ाना है। रैली में महिलाओं समेत 52 वायु योद्धा शामिल होंगे।

ऑपरेशन चक्र-3 के तहत एजेंसी की 32 स्थानों पर छापेमारी, पूछताछ जारी

साइबर अपराधियों पर सीबीआई का शिकंजा, 26 हुए गिरफ्तार

- अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी समेत अन्य एजेंसियों से समन्वय जारी
- पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद और विशाखापत्तनम में हुई ये कार्रवाई
- कॉल सेंटर के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धोखाधड़ी का खुलासा
- अमेरिका में बैठे लोगों को सिस्टम हैक की धमकी देकर वसूली
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का अंत हुआ है

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर ठगी करने वालों पर बड़ी कार्रवाई की है। सीबीआई ने सोमवार को बताया कि ऑपरेशन चक्र-3 के तहत बीते गुरुवार को देर रात चार शहरों पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद और विशाखापत्तनम में 32 स्थानों पर छापेमारी की गई। 26 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया गया। 58.45 लाख रुपए कैश, लॉकर की चाबी और तीन लग्जरी गाड़ियां बरामद हुई हैं। सीबीआई के अनुसार व्यापक नेटवर्क एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिले सुरागों की जांच एचएसआई (यूएसए) और अन्य विदेशी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय में जारी है। गैरकानूनी ढंग से चल रहे चार कॉल सेंटर पर कार्रवाई हुई है। इसमें पुणे के रीजेंट प्लाजा स्थित वीसी इनकॉलफॉरमिटिज प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम के वीसी इनफ्रॉमेट्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड, अत्रिया ग्लोबल सर्विसेज लिमिटेड, हैदराबाद के वियाजेक्स सॉल्यूशन्स शामिल है। एजेंसी ने कॉल सेंटर में काम करने वाले 170 लोगों को भी पकड़ा है जो आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने में जुटे थे। गिरफ्तार लोगों के साथ कॉल सेंटर में काम करने वालों से सीबीआई की पूछताछ जारी है।

सीबीआई को क्या- क्या मिला?

सीबीआई ने इस कार्रवाई में डिजिटल साक्ष्य, अपराध को अंजाम देने से जुड़े दस्तावेज, तकनीक के साथ कुल 951 सामग्री जब्त की है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, मोबाइल फोन, लैपटॉप, वित्तीय जानकारी से जुड़े दस्तावेज, फोन पर होने वाली बातचीत से जुड़े कई रिकॉर्ड शामिल है। सीबीआई ने कहा कि इस कार्रवाई से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर ठगी के एक बड़े नेटवर्क का अंत हुआ है।

नंबर गेम

- 170 लोग जो चार कॉल सेंटर में काम करते थे उन्हें भी पकड़ा
- 04 शहरों में गैरकानूनी ढंग से चल रहे कॉल सेंटरों पर कार्रवाई

कहां से कितने गिरफ्तार ?

- 11 विशाखापत्तनम से हुए गिरफ्तार
- 10 पुणे से हुए गिरफ्तार
- 05 हैदराबाद से गिरफ्तार

कार्रवाई की खास बातें...

- गुरुवार देर रात 32 स्थानों पर की गई छापेमारी
- 58.45 लाख रुपए कैश बरामद किया है एजेंसी ने
- लॉकर की चाबी और तीन लग्जरी गाड़ी भी बरामद
- अमेरिका में बैठे लोगों को सिस्टम हैक की धमकी
- पीड़ितों से गिफ्ट कार्ड और क्रिप्टो के रूप में उगाही

अमेरिका में बैठे लोग बने निशाना

सीबीआई प्रवक्ता ने बताया कि साइबर अपराधी कई प्रकार की अवैध गतिविधियों में शामिल थे। इसमें वे तकनीक की मदद से अमेरिका में बैठे लोगों का सिस्टम हैक कर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते थे। साइबर अपराधी पीड़ितों को धमकाते थे कि उनकी पहचान और जरूरी जानकारी चोरी हो गई है। इसके बाद अपराधी पीड़ित की मजबूरी का फायदा उठाकर उसके खाते से मनमाने ढंग से पैसा निकाल लेते थे।

जांच एजेंसियों की धमकी देते थे

सीबीआई के अनुसार साइबर अपराधी पीड़ित लोगों को धमकी देते थे की वे अपने देश की जांच एजेंसियों की निगरानी में हैं। इसके बाद वे लोगों को कहते थे कि पैसे की सुरक्षा के लिए वे अपना पैसा दूसरे बैंक में डाल दें जो साइबर ठगों का होता था। साइबर ठगों के जाल में फंसने के बाद पीड़ित जैसे ही अपना पैसा बताए हुए खाते में डालता था। वैसे ही ठग और पीड़ित के बीच संपर्क हमेशा के लिए खत्म हो जाता था।

गिफ्ट कार्ड और क्रिप्टो में उगाही

सीबीआई ने बताया कि कुछ मामलों में साइबर ठगों द्वारा पीड़ितों से अंतरराष्ट्रीय गिफ्ट गार्ड और क्रिप्टो के रूप में गैरकानूनी ढंग से धन की उगाही का पता चला है। साइबर ठगों की इस चाल में बड़ी संख्या में लोगों ने अपना पैसा गंवाया है। सीबीआई कॉल सेंटर में काम करने वाले लोगों से ठगी के तौर तरीकों के बारे में पता करने में जुटी है। अंदेशा है कि इस कार्रवाई में ठगी के कई तौर तरीके सामने आ सकते हैं।

इजरायल के जमीनी हमलों का जवाब देने को तैयार : हिजबुल्ला

- नसरल्लाह की मौत के बाद पहली बार टीवी पर बयान दिया

एजेंसी । बेरूत

हिजबुल्ला के उपप्रमुख नईम कासेम ने अपने शीर्ष नेता हसन नसरल्लाह समेत समूह के अधिकतर शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के बावजूद इजरायल के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। कासेम ने कहा कि हिजबुल्ला लड़ाके इजरायल के किसी भी जमीनी हमले का जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम लंबे युद्ध के लिए तैयार हैं। कासेम ने नसरल्लाह की मौत के बाद सोमवार को टीवी पर अपने पहले बयान में यह बात कही। यह बयान ऐसे समय आया है जब बेरूत और लेबनान के अन्य इलाकों में इजरायली हवाई हमले जारी हैं। नसरल्लाह के उत्तराधिकारी का फैसला होने तक उपमहासचिव के रूप में नईम कासेम को हिजबुल्ला का कार्यवाहक नेता नियुक्त किया गया है।

नए कमांडरों पर निर्भर

कासेम ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में हिजबुल्ला के शीर्ष सैन्य कमांडरों की मौत के बावजूद समूह अब नए कमांडरों पर निर्भर है। कासेम ने कहा, इजरायल हमारी (सैन्य) क्षमताओं को प्रभावित करने में सक्षम नहीं है। हमारे पास उपकमांडर हैं और किसी भी शीर्ष नेता के मारे जाने या घायल होने की स्थिति में कमांडर की जगह ले सकते हैं।

नियुक्तियां जल्द होंगी

कासिम ने कहा, हम जल्द ही पार्टी के लिए एक महासचिव चुनेंगे और शीर्ष नेतृत्व समेत अन्य पदों पर स्थायी नियुक्तियां करेंगे। कासिम ने कहा कि हिजबुल्ला के लड़ाकों ने इजरायली क्षेत्र में 150 किलोमीटर तक रॉकेट दागना जारी रखा है। उन्होंने कहा, हम जो कर रहे हैं वह न्यूनतम कार्रवाई है। हम जानते हैं कि लड़ाई लंबी हो सकती है। आखिरी बड़े संघर्ष का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, हम 2006 की तरह ही जीत दर्ज करेंगे।

दो अपहृत युवकों की रिहाई सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा- सरकार बातचीत कर कोशिश कर रही

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने सोमवार को कहा कि पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को कांगपोकपी जिले में उग्रवादियों द्वारा कथित रूप से अपहृत किए गए दो की रिहाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही है। एक कार्यक्रम से इतर बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन युवकों में से एक को रिहा कर दिया गया, जबकि दो अन्य अब भी उग्रवादियों के कब्जे में हैं। केंद्र और राज्य सरकार दोनों युवकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए संपर्क में हैं। हम अभी बातचीत में लगे हुए हैं।

बिना शर्त रिहाई की कोशिश कर रहे

बीरेन सिंह ने कहा कि डीजीपी अपहरणकर्ताओं से स्वयं बातचीत करने उस स्थान पर गए। हमारा मानना है कि इसका सकारात्मक परिणाम आएगा। उन्होंने कुछ मांगें रखी हैं लेकिन सरकार दोनों युवकों को बिना शर्त रिहा करने का प्रयास कर रही है। रविवार को एक वीडियो सामने आया था, जिसमें दोनों लापता युवक मुख्यमंत्री से अपनी रिहाई की अपील करते नजर आए थे।

दो अब भी लापता

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सेना द्वारा बचाए गए एन. जॉनसन सिंह अपने दो दोस्तों के साथ इंफाल वेस्ट जिले के न्यू कीथेलमानबी में कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) जीडी भर्ती परीक्षा देने गए थे लेकिन रास्ता भटककर कुकी बहुल कांगपोकपी पहुंच गए। थौबल जिले के रहने वाले तीनों लोगों को हथियारबंद लोगों ने कथित तौर पर अगवा कर लिया। उन्होंने बताया कि जॉनसन सुरक्षित हैं जबकि थोईथोइबा सिंह और ओ. थोईथोइ सिंह अब भी लापता हैं।

युवक के साथ मारपीट की गई

उग्रवादियों के कब्जे से छूटे जॉनसन सिंह ने दावा किया कि उन्हें कांगपोकपी जिले में हथियारबंद लोगों ने पकड़ लिया था और रिहा किए जाने से पहले उनके साथ मारपीट की गई। एक पुलिस अधिकारी ने भी बताया कि जॉनसन का एक गाल सूजा था और शरीर पर चोट के निशान थे।

MUDA मामले में सिद्धारमैया की बढ़ती मुश्किलें

अब ED कर्नाटक सीएम के खिलाफ दर्ज कर सकती है केस

बेंगलुरु। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (MUDA) घोटाला मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय मुडा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिद्धारमैया के खिलाफ मामला दर्ज कर सकता है। सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएम पार्वती, बहनोई मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराजू से स्वामी ने कथित तौर पर जमीन खरीदी थी और सीएम की पत्नी को इसे उपहार में दे दिया। स्वामी का नाम पिछले हफ्ते लोकायुक्त पुलिस की ओर से दर्ज की गई FIR में भी शामिल है।

क्या है रिपोर्ट में ?

रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय एजेंसी प्रवर्तन मामले की सूचना रिपोर्ट में सिद्धारमैया के खिलाफ केस दर्ज करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) की धाराएं लगा सकती है। मालूम हो कि ईडी को आरोपियों को लेकर पूछताछ के लिए बुलाने और जांच के दौरान संपत्ति कुर्क करने का भी अधिकार है। मालूम हो कि सिद्धरमैया ने MUDA मामले में किसी घोटाले से इनकार किया है। उन्होंने बीते दिनों कहा था कि उन्हें एमयूडीए मामले में निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि विपक्ष उनसे डरा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह उनके खिलाफ पहला ऐसा राजनीतिक मामला है। सिद्धारमैया ने कहा कि मामले में उनके खिलाफ अदालत की ओर से जांच के आदेश दिए जाने के बाद भी वह इस्तीफा नहीं देंगे, क्योंकि उन्होंने कुछ गलत काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि वह कानूनी रूप से मुकदमा लड़ेंगे।

तिरुपति लड्डू विवाद : सुप्रीम कोर्ट ने सीएम चंद्रबाबू नायडू को लगाई फटकार

नई दिल्ली। तिरुमाला तिरुपति मंदिर में प्रसाद लड्डू में मिलावटी घी के इस्तेमाल को लेकर सार्वजनिक बयान दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की कड़ी आलोचना की। शीर्ष अदालत ने कहा है कि जब विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा मामले की जांच की जा रही थी तो फिर संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति यानी मुख्यमंत्री के सार्वजनिक बयान का क्या औचित्य है? जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने मुख्यमंत्री नायडू के सार्वजनिक बयान की आलोचना करते हुए कहा कि अभी तक लैब रिपोर्ट से प्रथम दृष्टया इस बात का कोई साक्ष्य नहीं मिलता है कि मिलावटी घी का इस्तेमाल मंदिर के प्रसाद लड्डू बनाने में किया गया था। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट से प्रथम दृष्टया सिर्फ इस बात का संकेत मिलता है कि जिस 'घी के नमूने की जांच की गई है, वह अस्वीकृत घी थे। सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति लड्डू बनाने में पशु की चर्बी युक्त मिलावटी घी का इस्तेमाल के आरोपों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी, तिरुमाला तिरुपति ट्रस्ट (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष व वाईएसआर कांग्रेस के नेता वाईवी सुब्बा रेड्डी व अन्य की ओर से दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

राजनीति

मोदी कांग्रेस अध्यक्ष की कृपा से नहीं, बल्कि जनादेश से लगातार तीसरी बार बने हैं प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी को लेकर शाह-खरगे में जुबानी जंग

- खरगे ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी को सत्ता से हटाने से पहले वह मरेंगे नहीं

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी को लेकर सोमवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बीच जुबानी जंग देखने को मिली। शाह ने खरगे की जम्मू-कश्मीर में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर की गई टिप्पणी को अत्यंत खराब और अपमानजनक करार दिया। वहीं, खरगे ने पलटवार करते हुए कहा कि शाह को मणिपुर, जनगणना और जातिगत जनगणना जैसे गंभीर मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। दरअसल, खरगे ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी को सत्ता से हटाने से पहले वह मरेंगे नहीं।

मोदी कांग्रेस अध्यक्ष की कृपा से प्रधानमंत्री नहीं बने : अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा, मोदी कांग्रेस अध्यक्ष की कृपा से नहीं, बल्कि जनादेश से लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने कहा, जहां तक खरगे के स्वास्थ्य का सवाल है, तो प्रधानमंत्री मोदी, मैं और हम सभी प्रार्थना करते हैं कि वह दीर्घायु हों और स्वस्थ जीवन जिएं। वह 2047 तक विकसित भारत का निर्माण होता देखने के लिए जीवित रहें। शाह ने एक्स पर किए पोस्ट में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कटु तरीके से नफरत दिखाते हुए अपने स्वास्थ्य के मामले में प्रधानमंत्री मोदी को अनावश्यक रूप से घसीटा। उनकी टिप्पणी से पता चलता है कि कांग्रेस के लोगों में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति कितनी नफरत और डर है। वे लगातार उन्हीं के बारे में सोचते रहते हैं।

गृहमंत्री मणिपुर, जाति जनगणना जैसे मुद्दों पर ध्यान दें : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने शाह की टिप्पणी के बाद एक्स पर पोस्ट किया, गृहमंत्री अमित शाह को मणिपुर, जनगणना और जातिगत जनगणना जैसे गंभीर मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। आपकी सरकार का ही सर्वे कहता है कि शहरी सीवरों, सेप्टिक टैंकों की सफाई करने वाले 92 प्रतिशत कर्मचारी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्गों से आते हैं। उन्होंने दावा किया, भाजपा जातिगत जनगणना के विरोध में इसलिए है क्योंकि तब पता चल जाएगा कि ये सभी वर्ग कौन-कौन से कार्यों के जरिये अपना जीवन-यापन कर रहे हैं, उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति क्या है तथा उनको किस तरह सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, कांग्रेस पार्टी जातिगत जनगणना करवाने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है। हम ये करवाकर ही रहेंगे।

गोवा के मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री दिल्ली तलब

भाजपा आलाकमान ने मिलने के लिए बुलाया

एजेंसी । पणजी

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और राज्य सरकार में स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे को भाजपा आलाकमान ने सोमवार को नई दिल्ली तलब किया। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, सावंत और राणे को केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने के लिए बुलाया गया है। सावंत से जब उनके दिल्ली दौरे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने टिप्पणी से इनकार कर दिया लेकिन पार्टी नेताओं द्वारा उन्हें तलब किये जाने की अटकलों को नहीं नकारा।

मुलाकात के उद्देश्य का खुलासा नहीं

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ मुलाकात के उद्देश्य का खुलासा नहीं किया गया लेकिन यह घटनाक्रम हाल ही में राणे द्वारा दिए गए बयान की पृष्ठभूमि में हुआ है। राणे ने एक जनसभा में कहा था कि प्रदेश में कम से कम 22 हजार बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। सावंत ने मंत्री के बयान पर टिप्पणी से इनकार किया लेकिन उन्होंने कहा कि सरकार राज्य में युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर मुहैया कराएगी।